सत्यमेव जयते

वर्ल्ड ऑफ वर्क सीरिज : 28

रक्षा सेवाओं में रोजगार

व्यवसाय अध्ययन केन्द्र
केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण संस्थान
(रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय)
श्रम मन्त्रालय, भारत सरकार,
पूसा, नई दिल्ली–110012

CENTRAL INSTITUTE FOR RESEARCH & TRAINING IN EMPLOYMENT SERVICE

वर्ल्ड ऑफ सीरिज : 28

"रक्षा सेवाओं में रोजगार"

व्यवसायअध्ययन केन्द्र
केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण संस्थान
(रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय)
श्रम मन्त्रालय, भारत सरकार,
पूसा, नई दिल्ली–110012

आमुख

रक्षा सेवाएं, जल, थल, वायु सेना, विभिन्न योग्यता व प्रशिक्षण प्राप्त नवयुवकों को आशाजनक आजीविका की विस्तृत श्रेणी प्रस्तुत करती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां नियमित रूप से भर्ती जारी रहती है क्योंकि बड़ी संख्या में सैनिक नियमित रूप से 30 या 40 वर्ष तक सेवा अधिकारी 40 वर्ष की आयु में सेवामुक्त होते रहते हैं। उदीयमान युवक तथा युवतियां सदैव रक्षा सेवाओं की ओर आकर्षित रहते हैं क्योंकि यह उन्हें साहस से भरपूर जीवन, पदोन्नति के अवसर तथा अन्य बहुत से सीमान्त लाभ प्रदान करती है।

केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान ने कुछ वर्ष पूर्व आजीविका की खोज में लगे नवयुवकों, परामर्शदाताओं, अभिभावकों व व्यावसायिक निर्देशन प्रदान करने के क्षेत्र में लगे व्यक्तियों के लिए "रक्षा सेवाओं में रोजगार" नामक एक पुस्तिका प्रकाशित की थी, तब से रक्षा सेवाओं में सेवा शर्तों तथा वेतनमानों में बहुत से परिवर्तन हुए हैं। अतः हमें "वर्ल्ड आफ वर्क सीरिज' के अन्तर्गत 'रक्षा सेवाओं में रोजगार' नामक पुस्तिका का संशोधित संस्करण प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह पुस्तिका रक्षा सेवाओं के तीनों खंडों में प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर, प्रस्तावित वेतन से संबंधित आवश्यक सूचनाओं आदि के साथ-साथ भर्ती से संबंधित सभी आवश्यक सूचनाएं प्रदान करती है।

हम विभिन्न रक्षा संगठनों विशेषतः थल सेना मुख्यालय, नई दिल्ली; नौ सेना मुख्यालय, नई दिल्ली; वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा मूल्यवान सूचनाएं प्रदान करने के लिए आभारी हैं।

पूसा, नई दिल्ली-110012
दिनांक : 29 दिसम्बर, 1988

हस्ताक्षर
(डो. एस. रामा)
निदेशक
केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसंधान
और प्रशिक्षण संस्थान

परियोजना दल

निर्देशन	श्री डी० एस० धामा (निदेशक)
प्रस्तुति	श्री आर० एल० पंवर (वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी)
विषय एवं संकलन	श्री आर० के० शर्मा (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)
अनुवाद कार्य	कु० वनिता शर्मा (वरिष्ठ अनुवादक)

प्रस्तावना

आप में से बहुतों ने साहस से परिपूर्ण जीवन की कल्पना संजोई होगी, चाहे यह थल पर हो, वायु में अथवा खुले महासागर में । रक्षा सेवाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली आजीविकाओं द्वारा आपकी अभिलाषा पूरी हो सकती है। आप सब जानते हैं कि रक्षा सेवाओं में तीन खण्ड हैं (1) थल सेना (2) वायु सेना (3) नौ सेना । रक्षा सेवाओं की इन तीन खण्डों में से किसी एक के द्वारा जहां आप अपनी साहसिक जीवन की अभिलाषा को पूरा कर सकते हैं वहीं आप अपनी श्रेष्ठतम योग्यता द्वारा अपनी मातृभूमि की सेवा करने की आन्तरिक संतुष्टि भी प्राप्त कर सकते हैं । इस प्रकार रक्षा सेवाओं में आजीविका आपको पराक्रम की भावना के साथ-साथ देशभक्ति की भावना भी प्रदान करती है।

रक्षा सेनाएं देश की आन्तरिक अस्थिरता के साथ-साथ बाह्य आक्रमणों से देश की सुरक्षा करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी हैं । रक्षा सेनाओं की तीनों शाखाएं मूलत: समान होते हुए भी काफी हद तक एक दूसरे से पृथक हैं और भिन्न-भिन्न जीवन शैलियां प्रदान करती हैं ।

रक्षा सेवाएं सदैव नौजवानों को आकर्षित करती रही हैं क्योंकि ये केवल एक व्यवसाय या रोजगार ही नहीं देती बल्कि अनेक प्रकार के व्यवसाय के अवसर भी प्रदान करती हैं । ये व्यवसाय आपके जीवन को साहस से परिपूर्ण बनाते हैं । इसके अतिरिक्त ये सशस्त्र सेनाएं आपको सुनियोजित पदोन्नति के अवसर तथा बहुत से सीमान्त लाभ भी प्रदान करती हैं ।

यदि आप इन रक्षा सेवाओं में आजीविका का चयन करने के विषय में सोच रहे हैं तो आपको यह अवश्य स्मरण रखना चाहिए कि इन सेवाओं में चयन के लिए शारीरिक योग्यताओं पर अत्यधिक बल दिया जाता है । रोजगार की विविधता और अपरिचित जीवन शैली नए भर्ती हुए नौजवानों के लिए भ्रामक प्रतीत हो सकती है ।

रक्षा सेवाओं में आप अपने अन्य मित्रों की तुलना में जिन्होंने अन्य असैनिक व्यवसायों को चुना है, अपने वेतन व भविष्य में होने वाले लाभों में भ्रामक प्रतीत हो सकती है ।

सशस्त्र सेवाओं में सामान्यतः कार्य, मानसिक व शारीरिक दोनों दृष्टियों से अधिक उत्साहवर्धक होता है । यही कारण है कि जीवन गतिपूर्ण होता है। आधुनिक सैन्य सेवा में शारीरिक शक्ति की अपेक्षा मानसिक शक्तियों की अधिक आवश्यकता होती है परन्तु असैनिक व्यवसायों की तुलना में इन दोनों की ही अधिक आवश्यकता होती है । आधुनिक हथियार व सैन्य उपकरण अधिक जटिल होते हैं तथा इनके परिचालन, मरम्मत, आयोजन तथा विपणन कार्य के लिए सुप्रशिक्षित बुद्धिमान व्यक्तियों की आवश्यकता पड़ती है । दूसरी ओर इन सेवाओं में संलग्न व्यक्तियों को अपनी उच्च शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए अपने संपूर्ण आजीविका काल के दौरान प्रतिदिन नियमित शारीरिक अभ्यास, व्यायाम, कवायद व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुजरना पड़ता है । इसके साथ-साथ उसमें अनुशासन कार्य के प्रति निष्ठा व संपूर्ण आज्ञा-पालन भी आवश्यक है ।

इन सेवाओं में व्यावसायिक जोखिम विशेषकर युद्ध, दंगे व अन्य घटनाओं के दौरान जान का खतरा या शारीरिक विकलांगता आदि अन्तर्निहित होते हैं । सेवा की आवश्यकताओं के अनुरूप इन सेवाओं में लगे व्यक्तियों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरण होता रहता है । इनके कार्यों की विशिष्ट प्रकृति के कारण ये सेवाएं जवानों तथा अन्य रैंकों को कुछ विशेष सुविधाएं जैसे परिचालन क्षेत्रों में निःशुल्क आवास, परिवहन, चिकित्सा व राशन की सुविधा, कम मूल्यों पर आवास सुविधा व साज-सामान के रख-रखाव संबंधी भत्ते आदि भी उपलब्ध करवाती हैं ।

इन सेवाओं में भर्ती बिना किसी जाति, धर्म या अन्य पृष्ठभूमि को ध्यान में रखे, प्रत्येक भारतीय के लिए खुली है, बशर्ते कि वह निर्धारित शारीरिक व शैक्षणिक मानदंडों पर खरा उतरता हो । मुख्यतः ये सेवाएं पुरुष प्रधान सेवाएं हैं तथापि सेना में चिकित्सा व नर्सिंग जैसे कुछ दलों में महिलाओं को भी लिया जाता है ।

ये सेवाएं निर्धारित नियमों तथा विनियमों के अनुसार पदोन्नति के अवसर प्रदान करती हैं और इनके अनुसार वरिष्ठ पदों तक पहुंचा जा सकता है । इनमें योग्यता के आधार पर निम्न पद से अधिकारी स्तर पर पदोन्नति के भी समुचित अवसर उपलब्ध हैं ।

इनमें नियमित पेन्शन व उपदान योजना, परिवार पेन्शन योजना (मृत्यु की स्थिति में) और युद्ध या लड़ाई के दौरान जख्मी होने पर पुनर्वास की योजना

भी उपलब्ध है । युद्ध काल में विकलांग हुए व्यक्तियों, विधवाओं व उनके बच्चों की देख-रेख के लिए भी योजनाएं हैं ।

सेना योग्य प्रत्याशियों को स्थायी तथा अल्पकालिक कमीशन दोनों ही प्रकार की सेवाएं प्रस्तुत करती है । सेना में सभी स्थायी कमीशन भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा अल्पकालिक कमीशन के लिए अधिकारी प्रशिक्षण विद्यालय, मद्रास द्वारा प्रदान की जाती है ।

शैक्षणिक शाखा व नौसेना के निर्माता दल के अतिरिक्त, नौसेना केवल स्थायी कमीशन प्रदान करती है । इसमें प्रवेश के लिए सामान्यत: राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खंड़गवासला व नौसेना अकादमी, कोचीन (केवल प्रशासकीय शाखा के लिए) के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है ।

वायु सेना केवल स्थायी कमीशन प्रदान करती है । उड़ान शाखा के लिए सामान्य प्रवेश राष्ट्रीय सेना अकादमी तथा सीधी भर्ती वायु सेवा प्रशासकीय महाविद्यालय, कोयम्बटूर के माध्यम से प्रदान किया जाता है । जहां तक ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं का संबंध है, तकनीकी शाखाओं में प्रवेश एयरफोर्स टेक्निकल कालेज, जब्बलपूर द्वारा तथा गैर तकनीकी शाखाओं में प्रवेश एयरफोर्स एकेडमी, डिंडीगल, हैदराबाद द्वारा प्रदान किया जाता है ।

संभावनाएं

आज सशस्त्र सेवाओं में अधिकारियों के लिए वेतन व भत्ते तथा अन्य सेवा शर्तें पहले की तुलना में तथा देश की अन्य असैनिक सेवाओं की तुलना में कहीं अधिक उदार व अनुकूल हैं । इसके अतिरिक्त रक्षा सेवाओं में अधिकारियों को बहुत-सी छूट व सुविधाएं उपलब्ध हैं जो असैनिक सेवाओं में उपलब्ध नहीं हैं ।

प्रशिक्षण के लिए तथा उच्चतर ओहदों तक पदोन्नति के लिए प्रत्येक अवसर दिया जाता है । वायु सेना में स्थायी कमीशन प्राप्ति के बाद समयमान के आधार पर स्कवाड्रन लीडर के ओहदे तक की स्थायी पदोन्नति प्रदान की जाती है । लेफ्टिनेंट कर्नल या समकक्ष ओहदों तक पदोन्नति समयमान तथा चयन दोनों ही आधारों पर की जाती है तथा इससे भी उच्च

पदों के लिए योग्यता के आधार पर पदोन्नति की जाती है । पदोन्नति के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए काफी संख्या में लेफ्टिनेंट कर्नल तथा इसके उच्च तथा समकक्ष पद नौसेना तथा वायुसेना में बढ़ाए गए हैं । हर तीन वर्ष के बाद संवर्ग-पुनरावलोकन किया जाता है ।

भारतीय सेना

भारतीय सेना विशिष्टीकरण के लिए चयन हेतु प्रशासन व प्रबन्ध से लेकर तकनीकी विशिष्टताओं जैसे यांत्रिक परिवहन, युद्ध सामग्री के अध्ययन, अभियांत्रिकी, रेडियो संचार व इलेक्ट्रानिक्स आदि जैसे विस्तृत अवसर प्रस्तुत करती है । इसके साथ-साथ आप व्यावसायिक शाखाएं जैसे चिकित्सा, कृषि व पशु-चिकित्सा, शिक्षा, कानून तथा मनोविज्ञान आदि भी पाते हैं ।

सेना में अधिकारी जिसे कमीशन प्राप्त रैंक कहा जाता है तथा सिपाही जो गैर कमीशन प्राप्त कहलाते हैं, की भर्ती की जाती है । सेना स्थायी तथा अल्प सेवा कमीशन दोनों प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराती है । भारतीय सेना में विभिन्न शाखाएं सम्मिलित हैं जैसे (अ) गैर तकनीकी (टीथ आर्मस) जिसमें (i) बख्तरबंद दल (ii) तोपखाना (iii) पैदल सेना सम्मिलित है । (ब) तकनीकी सेवा जिसमें (i) अभियांत्रिक दल (ii) सिग्नल दल (iii) विद्युत व मशीनी अभियांत्रिक दल सम्मिलित हैं । इसी तरह इसमें (स) प्रशासकीय व सहायक दल सम्मिलित हैं । इनमें (i) सेना सेवा दल (ii) सैन्य डाक सेवा (iii) सैनिय चिकित्सा बल (iv) सैन्य आयुध विभाग (v) रिमांडर व पशु चिकित्सा दल (vi) मिलिटरी कृषि सेवा (vi) सैन्य शिक्षण दल आदि सम्मिलित हैं ।

कमीशन प्राप्त रैंक

यदि आप शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ्य तथा मानसिक रूप से दुरुस्त नवयुवक हैं और आप में साहस तथा नेतृत्व का गुण जैसे अधिकारियों सा शासन व नियन्त्रण का गुण है तो आप भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त कर सकते हैं ।

प्रवेश का माध्यम

भारतीय सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त पदों पर प्रवेश के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला मुख्य माध्यम है । यह एक अन्त: सेवा प्रशिक्षण संस्थान है ।

उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग प्रतिवर्ष वर्ष में दो बार मई/दिसम्बर के महीने में वस्तुनिष्ठ प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन करता है । इस परीक्षा में दो प्रश्न-पत्र सम्मिलित हैं (i) गणित (ii) सामान्य योग्यता परीक्षा । इसमें सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन, सामान्य विज्ञान, स्वतन्त्रता आन्दोलन का इतिहास, भूगोल तथा सामयिक विषय सम्मिलित हैं ।

पात्र होने के लिए प्रत्याशी का अविवाहित होना आवश्यक है तथा उसकी आयु संबंधित वर्ष में एक जनवरी और एक जुलाई को 16 से 18½ वर्ष के मध्य होनी चाहिए ।

वांछित शैक्षणिक योग्यताएं

थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना के लिए 10+2 पद्धति पर आधारित स्कूली शिक्षा के अन्तर्गत 12 कक्षा या किसी राज्य शिक्षा बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा समकक्ष योग्यता वांछित है ।

नौसेना अकादमी से 10+2 पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 10+2 पद्धति पर आधारित स्कूली शिक्षा की रसायन, भौतिकी व गणित सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष ।

वे प्रत्याशी जो 10 + 2 पद्धति पर आधारित स्कूली शिक्षा के अन्तर्गत 12 कक्षा की परीक्षा या इसकी समकक्ष परीक्षा में बैठने जा रहे हैं, इस लिए मौखिक और अमौखिक परीक्षा ली जाती है ।

साक्षात्कार के साथ-साथ प्रत्याशियों की आधारभूत बुद्धि की जांच के परीक्षा में बैठ सकते हैं ।

उनकी सामूहिक जांच जैसे सामूहिक परिचर्चा, सामूहिक नियोजन, बहिरंग सामूहिक कार्य आदि भी की जाती है । इसके साथ उन्हें किसी विषय विशेष पर व्याख्यान देने को भी कहा जाता है ।

प्रत्याशी की नूयनतम ऊंचाई 157.5 सेमी. (157 सेमी. नौसेना के लिए तथा 162.5 सेमी. वायुसेना के लिए) तथा वजन किलोग्राम में आयु तथा ऊंचाई के अनुसार 43.5 किलोग्राम से 65 किलोग्राम तक होना आवश्यक है ।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण की अवधि तीन वर्ष है । अकादमी का जीवन कार्य तथा खेलों का संतुलित सम्मिश्रण है । अध्ययन का पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया जाता है कि उसमें शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ सैनिक विषयों का भी उचित समावेश हो ।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सेना के कैडेट भारतीय सेना अकादमी देहरादून में जाते हैं । वहां वे जेंटलमैन कैडेट्स के नाम से जाने जाते हैं । उन्हें एक वर्ष के लिए श्रमसाध्य सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि अधिकारी पैदल सेना की उप-इकाइयों का नेतृत्व कर सकें । प्रशिक्षण की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के बाद शारीरिक रूप से योग्य होने पर जेंटलमैन कैडेट्स को सेकेण्ड लेफ्टिनेंट के पद पर स्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है ।

नौसेना कैडेट्स प्रशासनिक अभियांत्रिक अथवा इलैक्ट्रिकल शाखाओं के लिए चुने जाते हैं । उन्हें कैडिट ट्रेनिंगशिप के अन्तर्गत 6 माह का समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसकी सफलतापूर्वक समाप्ति के उपरान्त इन्हें मिडशिपमैन के ओहदे पर पदोन्नत किया जाता है । इसके उपरान्त इन्हें प्रदान की गई शाखा में 6 माह का और प्रशिक्षण दिया जाता है और इसके बाद इन्हें सब-लैफ्टिनेंट के पद पर पदोन्नत किया जाता है ।

इसी प्रकार वायुसेवा के कैडेट्स $1\frac{1}{2}$ वर्ष के लिए उड़ान प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं । एक वर्ष के प्रशिक्षण के अन्त में इन्हें पायलेट आफिसर के ओहदे पर अस्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है । आगे के 6 माह के सफल प्रशिक्षण के पूरा कर लेने के बाद इन्हें एक वर्ष के प्रशिक्षण काल के लिए स्थायी कमीशन प्रदान कर दिया जाता है ।

वेतन व भत्ते

सेना अधिकारियों को देय वेतन तथा भत्ते इस प्रकार हैं :—

सेकेण्ड लेफ्टिनेंट से ब्रिगेडियर—2300—5100 रु.

मेजर जनरल—5900—6700 रु.

लैफ्टनेंट जनरल—7300—7600 रु.

वी.सी.ओ.ए.एस/सेना (आर्मी)—8000 रु. (स्थिर)

कमांडर इन चीफ आफ दी आर्मी स्टाफ—9000 रु. (स्थिर)

वेतन के अतिरिक्त उन्हें रैंक वेतन निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है। कैप्टन—200 रु., मेजर—600 रु., ले. कर्नल—800 या इससे नीचे ओहदे वाले अधिकारियों को कुछ निर्धारित योग्यताओं के अनुरूप 2000 रु., 3000 रु., 5625 रु. तथा 7500 रु. निर्धारित योग्यतानुसार एक मुश्त प्रदान किए जाते हैं।

नगर प्रतिपूरक तथा महंगाई भत्ता

नगर प्रतिपूरक तथा मंहगाई भत्ते समान स्थिति में असैनिक राजपत्रित अधिकारियों को मिलने वाली भत्ते की दर से दिए जाते हैं। प्रतिमाह 100 रु. किट-मेंटेनेन्स भत्ता प्रदान किया जाता है। इसी तरह अधिकारी के भारत से बाहर सेवाकाल में निर्वासन भत्ता दिया जाता है। विवाहित अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों में नियुक्ति पर, जहां परिवार को नहीं रखा जाता, 140 रु. विच्छेद भत्ते के रूप में दिए जाते हैं। 3000 रु. आउटपिन्ट भत्ते के रूप में प्रदान किए जाते हैं जिसका प्रति साल की प्रभावी सेवा के बाद नवीनीकरण किया जाता है। सभी अधिकारियों को नि:शुल्क राशन उपलब्ध कराया जाता है। कमीशन मिलने से पहले संबंधित संस्थान में 6 माह की प्रशिक्षण अवधि के दौरान 1500 रु. प्रतिमाह की निश्चित राशि प्रदान की जाती है।

तैनाती व पदोन्नति

सेना अधिकारियों को भारत में किसी भी स्थान पर तथा भारत से बाहर विदेश में सेवा के लिए तैनात किया जा सकता है। लैफ्टनेंट, कैप्टेन व मेजर के ओहदों के लिए क्रमश: 2, 6 तथा 13 वर्ष के सेवाकाल के पश्चात् स्थायी पदोन्नति प्रदान की जाती है। लैफ्टनेंट, कर्नल के पद के लिए पदोन्नति योग्यता के आधार पर चयन द्वारा तथा समयमान के आधार पर 25 वर्ष के सेवाकाल के उपरान्त प्रदान की जाती है। मेजर से लैफ्टनेंट कर्नल के पद पर चयन के लिए 16 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा आवश्यक है।

उच्च ओहदों पर पदोन्नति केवल योग्यता के आधार पर चयन द्वारा की जाती है। चयन द्वारा पदोन्नति कर्नल, ब्रिगेडियर, मेजर जनरल और लैफ्टिनेंट जनरल के पद पर क्रमशः 20, 23, 25 और 28 वर्ष के सेवाकाल के बाद ही सम्भव है।

स्थानापन्न पदोन्नति

पद रिक्त होने पर अधिकारी नीचे दी गई न्यूनतम सेवा सीमा के अनुरूप उच्चतर ओहदों पर स्थानापन्न पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं कैप्टेन---3 वर्ष, मेजर---6 वर्ष, लैफ्टिनेंट कर्नल---6½ वर्ष, कर्नल---8½ वर्ष, ब्रिगेडियर---12 वर्ष, मेजर जनरल---20 वर्ष और लैफ्टिनेंट जनरल---25 वर्ष।

संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा

संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष में दो बार मई तथा अक्टूबर के महीने में आयोजित की जाती है। वे, जो सेना में थल, नौ या वायु सेना के सशस्त्र सेना खण्ड में कमीशन प्राप्त करना चाहते हैं, इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए चयन सर्विस सेलेक्शन बोर्ड द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में प्राप्त योग्यता के आधार पर किया जाता है। लिखित परीक्षा के पश्चात् प्रत्याशी की बुद्धि तथा व्यक्तित्व की जांच की जाती है।

चुने गए प्रत्याशी अपनी प्राथमिकता के अनुसार निम्नलिखित स्थानों पर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं :---(1) इंडियन मिल्टिरी अकेडमी, देहरादून; (2) नेवल अकेडमी, गोवा; (3) एयरफोर्स स्टेशन, बेगमपेट, सिकंदराबाद।

भारतीय सेना अकादमी (इण्डियन मिलिटरी अकेडमी), नौ सेना अकाडमी (नेवल अकेडमी) तथा वायुसेना अकादमी (एयरफोर्स अकेडमी) के बचे हुए प्रत्याशियों के संबंध में, जिन्हें स्थायी कमीशन नहीं मिल पाता, अल्पसेवा कमीशन (गैर तकनीकी) के बारे में विचार किया जाता है, चाहे उन्होंने इस पाठ्यक्रम के बारे में अपनी रूचि का उल्लेख भी न किया हो। ऐसे प्रत्याशी आफीसर्स ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल हो जाते हैं।

जिन प्रत्याशियों के पास एन. सी. सी. का 'सी' सर्टिफिकेट हो या उत्तीर्ण करना हो, थलसेना खण्ड, वरिष्ठ अनुभाग वायु खण्ड, नौसेना खण्ड भी अल्पसेवा कमीशन (गैर तकनीकी) की रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं लेकिन उन्हें संबंधित अधिकारियों को सर्टिफिकेट उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा ।

आयु-सीमा, लिंग तथा वैवाहिक स्थिति

19–24 वर्ष की आयु वाले अविवाहित प्रत्याशी भारतीय सेना अकादमी (इंडियन मिलिटरी अकेडमी) पाठ्यक्रम में प्रतियोगिता के लिए योग्य हैं। वायुसेना अकादमी (एयरफोर्स अकेडमी) के लिए उनकी आयु 19–22 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा आफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल के लिए विवाहित/अविवाहित प्रत्याशी की आयु 19–25 वर्ष के मध्य होनी आवश्यक है ।

शैक्षिक योग्यताएं :—

(1) इंडियन मिलिटरी अकेडमी तथा आफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि अथवा समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

(2) नेवल अकेडमी के लिए वांछित योग्यता भौतिक तथा गणित विषय सहित बी.एस.सी. या बेचलर आफ इंजीनियरिंग है ।

(3) एयरफोर्स अकेडमी के लिए प्रत्याशी के पास मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की भौतिक व गणित विषय सहित उपाधि या इसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

ऐसे प्रत्याशी जिन्होंने भौतिकी व गणित विषय के अतिरिक्त अन्य विषयों सहित उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण की हो, भी इसके लिए योग्य हैं यदि उन्होंने 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत हायर सकेण्डरी परीक्षा गणित तथा भौतिकी विषयों सहित उत्तीर्ण की है ।

ऐसे प्रत्याशी भी आवेदन कर सकते हैं जिन्हें उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण करनी है परन्तु उन्हें निर्दिष्ट तिथि पर डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

शारीरिक मानदंड

न्यूनतम स्वीकार्य ऊंचाई 157.5 सेमी. है (नौसेना के लिए 157 सेमी. तथा वायुसेना के लिए 162.5 सेमी.) कुल ऊंचाई 152 सेमी. से

195 सेमी. है तथा वजन किलोग्राम में 44 से लेकर 78 किलोग्राम तक प्रत्याशियों की आयु के अनुरूप परिवर्तित होता रहता है। अंचल के प्रत्याशियों गोरखाओं के लिए तथा भारत के पर्वतों व उत्तर पूर्वी क्षेत्र के प्रत्याशियों व गढ़वाल तथा कुमाऊं के प्रत्याशियों की ऊंचाई में 5 सेमी. की छूट दी जाती है तथा लक्षद्वीप के प्रत्याशियों को 2 सेमी. की छूट दी जाती है।

प्रशिक्षण एवं कमीशन

भारतीय सेना अकादमी में सैनिक विद्यार्थी जेंटलमैन कैडेट के नाम से जाने जाते हैं। यहां इन्हें 18 महीने की अवधि का श्रम साध्य सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। इसका उद्देश्य अधिकारियों को थल सेना की उप-इकाइयों के नेतृत्व के योग्य बनाना है। सफल प्रशिक्षण के बाद शारीरिक रूप से योग्य होने पर जेंटलमैन कैडेट्स को सेकेण्ड लेफ्टिनेंट के पद पर स्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है।

तकनीकी सेवाओं में कमीशन

सेना के पास अपने तीनों तकनीकी अंगों, कोर आफ इंजीनियर्स, कोर आफ सिग्नल्स व कोर आफ इलैक्ट्रिकल एण्ड मेकेनिकल इंजीनियर्स की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में जन शक्ति है। इनमें से किसी भी कोर में प्रवेश के लिए आपकी आयु 20 से 27 वर्ष होनी चाहिए।

कोर आफ इंजीनियर्स—इस सेवा में चयन के लिए आपको निम्नलिखित में उत्तीर्ण होना चाहिए :—

(1) इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स (इंडिया) की सिविल, इलैक्ट्रिकल व मेकेनिकल इंजीनियरिंग में एसोसिएट मैम्बरशिप परीक्षा का खण्ड (अ) व (ब) या

(2) इन विषयों में इंजीनियरिंग की उपाधि या

(3) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से मान्यता-प्राप्त सिविल, आर्किटैक्चर, इलैक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में कोई डिग्री या डिप्लोमा ।

कोर आफ सिग्नल्स—इस सेवा में जाने के लिए आपके पास निम्न में से किसी योग्यता का होना आवश्यक है :—

(1) दूरसंचार में बी. ई. की उपाधि ।

(2) इलैक्ट्रानिक्स, दूरसंचार में बी.ई. (आनर्स)

(3) रेडियो इंजीनियरिंग व इलैक्ट्रानिक्स में एन. एस. सी., (टैक्निकल) की उपाधि।

(4) इलैक्ट्रानिक में डिप्लोमा या

(5) इलैक्ट्रिकल कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा ।

कोर आफ इलैक्ट्रिकल एण्ड मेकेनिकल इंजीनियरिंग

आपके पास ऐसे विश्वविद्यालय की इलैक्ट्रिकल, मेकेनिकल या टेली-कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, मेटलर्जी, प्रोडक्शन तथा इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग की उपाधि होनी चाहिए जिसे केन्द्र सरकार के उच्चतर पदों पर भर्ती के प्रयोजन से मानव संसाधन विकास मंत्रालय की मान्यताप्राप्त हो अथवा इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, थर्मोडायनेमिक्स तथा हीट इंजिन या वर्कशाप टैक्नालाजी में कोई एक विषय के रूप में लेकर ए.एम.आई.ई. (इंडिया) का खण्ड 'ब' उत्तीर्ण होना चाहिए या ऐसी अन्य इलैक्ट्रिकल, मेकेनिकल, आटोमोबाइल या टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की अर्हता होनी चाहिए, जिसके आधार पर इस इंस्टीट्यूट (ए.एम.आई.ई.) के खण्ड 'अ' तथा 'ब' से छूट मिल जाती हो ।

एन.पी.एल. इस तकनीकी सेना कोर में इंजीनियरी के स्नातकों की भर्ती भा.से.अ. के माध्यम से की जाती है । इन सेवाओं की आवश्यकताएं गैर-तकनीकी प्रविष्टियों के विज्ञान धारा को उम्मीदवारों, (जिनके पास भौतिकी, रसायनशास्त्र तथा गणित हो) को सेना की तकनीकी संस्थाओं में गहन प्रशिक्षण देकर इन सेवा कोरों में सम्मिलित करके भी पूरी की जाती है। आरंभ में इन कैडेटों को भा.से.अ. में गैर-तकनीकी प्रविष्टियों द्वारा ले लिया जाता है और तदुपरांत इन्हें तकनीकी सेवा कोर में भेज दिया जाता है।

मिलिटरी फार्म सर्विस

इस सेवा में सीमित संख्या में रिक्तियां उपलब्ध होती हैं तथा प्रत्याशित को भा.से.अ. (आई.एम.ए.) के द्वारा स्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है। इसके योग्य होने के लिए प्रत्याशी की आयु पाठ्यक्रम आरम्भ होने वाले माह के प्रथम दिन 20 से 27 वर्ष होनी आवश्यक है।

इस सेवा के लिए पशुपालन में उपाधि या कृषि में पशुपालन विषय सहित उपाधि आवश्यक योग्यता है ।

सैन्य डाक सेवा

इस सेवा के लिए कोई सीधा प्रवेश नहीं है। डाक व तार विभाग के अधिकारी इस सेवा में लिए जाते हैं । इस सेवा में कार्य कर रहे चुने गए वारंट अफसरों तथा कनिष्ठ कमीशन प्राप्त अधिकारियों को अस्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है।

सेना शिक्षा कोर (आर्मी एजूकेशन कोर)

भा.से.अ. (आई.एम.ए.) के द्वारा सेना शिक्षा कोर (आर्मी एजूकेशन कोर) में स्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है । इसके लिए प्रत्याशी के पास मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की एम.ए./एम.एस.सी. की प्रथम या द्वितीय श्रेणी की उपाधि होनी चाहिए । उसकी आयु 23 से 27 वर्ष के मध्य होनी चाहिए ।

रिमाउंट एण्ड वेटरीनेरी कोर

रिक्तियों की उपलब्धता के अनुसार समय-समय पर पशु चिकित्सा में स्नातक को सीधे आर.वी.सी. में स्थायी व अस्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है । अल्पसेवा कमीशन के लिए आवेदन करने के समय आपकी आयु 21 से 32 वर्ष के मध्य होनी चाहिए । अल्पसेवा कमीशन प्राप्त करने के समय जिन अधिकारियों की आयु 30 वर्ष तक हो, वे विभागीय स्थायी कमीशन की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्थायी कमीशन प्राप्त कर सकते हैं ।

आपके पास बी.वी.एस.सी. की उपाधि होनी चाहिए । प्रत्याशियों को लिखित परीक्षा उत्त्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं है । योग्य प्रत्याशियों का चयन, चयन समिति के माध्यम से किया जाता है ।

सेना चिकित्सा कोर

सशस्त्र सेना डाक्टरों के लिए आकर्षक वेतन और व्यावहारिक रूप से संतोषजनक जीवनवृत्तिका प्रदान करती है और उन्हें कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में ऐसी ऊंची हैसियत वाला पद दिया जाता है, जो राजपत्रित समूह 'क' के पदों से संबद्ध होता है । इस संदर्भ में सशस्त्र सेना आयुर्विज्ञान

कालेज, पुणे का एक विशिष्ट स्थान है क्योंकि इस कालेज से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के लिए सेना चिकित्सा कोर में सेवा करना अनिवार्य होता है ।

यदि आपने 31 दिसम्बर को 17 से 22 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो और भौतिकी, रसायन शास्त्र तथा जीव विज्ञान के साथ बारहवीं कक्षा अथवा इसकी समकक्ष परीक्षा कुल अंक के न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण कर ली हो तथा मैट्रिक के स्तर की गणित परीक्षा भी उत्तीर्ण की हो तो सशस्त्र सेना आयुर्विज्ञान कालेज पुणे द्वारा चलाए जाने वाले एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्र हो जाते हैं । एम.बी.बी.एस. के बाद स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं ।

यदि आप रक्षा सेवा ज्वाइन कर लेते हैं तो आप पर जवानों और उन के परिवारों को युद्ध और शान्ति के दिनों में इलाज करने का उत्तरदायित्व होगा ।

सेना चिकित्सा कोर (सेना, नौसेना और वायुसेना) में दो प्रकार के कमीशन मिलते हैं अर्थात् स्थायी कमीशन, अल्पकालिक सेवा कमीशन ।

स्थायी कमीशन

स्थायी कमीशन के लिए 31 दिसम्बर अर्थात् आवेदन किए जाने के वर्ष को एम.बी.बी.एस. स्नातकों, स्नातकोत्तरों, डिप्लोमाधारियों और स्नातकोत्तर डिग्रीधारियों के लिए अधिकतम आयु सीमा क्रमशः 30, 31 और 32 वर्ष होती है । यह आयु सीमा अल्पकालिक सेवा कमीशन के लिए 45 वर्ष होती है ।

एम.बी.बी.एस. परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप लेफ्टिनेंट के रूप में भर्ती किए जाते हैं और इस पद पर मूल वेतन 2000 रू. प्रतिमाह दिया जाता है तथा अन्य भत्ते अनुज्ञेय होते हैं ।

पदोन्नति

सन्तोषजनक सेवा करने और उपयुक्त होने पर आप लेफ्टिनेंट के पद से कैप्टन, मेजर और ले. कर्नल, के पद पर पदोन्नत किए जाएंगे । ऊंचे ओहदे के लिए तथा इससे ऊपर के पदों जैसे कर्नल, ब्रिगेडियर, मेजर जनरल, ले. जनरल पद पर पदोन्नति 'चयन' के आधार पर की जाती है।

वेतन और भत्ते

विभिन्न ओहदे के चिकित्सा अधिकारियों के लिए अनुज्ञेय वेतनमान नीचे दिए गए हैं :—

1. लैफ्टिनेंट	:	2000-60-2480 रु.
2. कैप्टन	:	2550-75-3150 रु.
3. मेजर	:	3200-100-3600 रु.
4. लै. कर्नल	:	3800-100-4100 रु.
5. कर्नल	:	4200-100-4400 रु.
6. ब्रिगेडियर	:	4500-100-4800 रु.
7. मेजर जनरल	:	4900-100-5200 रु.
8. लै. जनरल	:	7300 रु. (स्थायी)
9. महानिदेशक-सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा	:	7600 रु. (स्थायी)

इसके अतिरिक्त वे विशेषज्ञता वेतन, किट अनुरक्षण भत्ता, महंगाई भत्ता, प्रेक्टिस बंदी भत्ता जैसे अन्य भत्ते पाने के भी हकदार होते हैं। यदि कोई डाक्टर किसी विशिष्ट इलाके में तैनात किया जाता है तो उसे "हाई आल्टीट्यूड" अनुकूल जलवायु भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता और परिवार से अलग रहने का भत्ता भी मिलता है।

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाएं

स्थायी कमीशन और अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी, जिन्होंने तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, सशस्त्र सेवा आयुर्विज्ञान कालेज में एडवांस विशेषज्ञ पाठ्यक्रमों के लिए चयन किए जाने हेतु पात्र होते हैं। ये पाठ्यक्रम पूसा विश्वविद्यालय के एम.डी. (डाक्टर आफ मेडीसिन), एम.एस. (मास्टर आफ सर्जरी) के लिए मान्यताप्राप्त है।

आठ वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारी दो वर्ष तक सवेतन अध्ययन छुट्टी के लिए भारत अथवा विदेश में उन्नत प्रशिक्षण हेतु चुने जाने के लिए भी पात्र होते हैं।

वायु सेना और नौसेना में चिकित्सा अधिकारी

बहुत से चिकित्सा अधिकारियों को वायुसेना और नौसेना में सेवा करने के लिए उनकी अपनी-अपनी वर्दियों के साथ तथा समतुल्य ओहदे के साथ स्थानान्तरित कर दिया जाता है।

सेना दन्त चिकित्सा कोर

यदि आप बी.डी.एस. (बैचलर आफ डेंटल सर्जरी) डिग्रीधारी हैं अथवा दंत चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यता वाले हैं तो आप पांच वर्ष (5 वर्ष) की अवधि के लिए अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेना दन्त चिकित्सा कोर ज्वाइन करने के पात्र हैं। चयन, सेना दन्त चिकित्सा कोर चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार लिए जाने के बाद किया जाता है। चुने गए उम्मीदवारों को अल्पकालिक सेवा कमीशन मंजूर किया जाता है तथा उन्हें सेवा चिकित्सा कोर केन्द्र, लखनऊ में बुनियादी सेना प्रशिक्षण लेना पड़ता है और उसके बाद उन्हें संबंधित दन्त चिकित्सा केन्द्रों में छः सप्ताह का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

दो वर्ष की सेवा पूरी होने पर किन्तु चार वर्ष की सेवा पूरी होने से पहले स्थायी कमीशन के लिए विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु उन्हें दो बार अवसर दिया जाता है।

इन कमीशनों के लिए निर्धारित आयु सीमा 28 वर्ष होती है किन्तु स्नातकोत्तर अर्हता रखने वाले उम्मीदवारों को स्थायी कमीशन के लिए 30 वर्ष तक छूट दी जाती है और अल्पकालिक सेवा कमीशन के लिए आयु-सीमा 45 वर्ष होती है।

पदोन्नति

दन्त चिकित्सा अधिकारियों को प्रथम कमीशन प्राप्त होने पर लैफ्टिनेंट के ओहदे पर नियुक्त किया जाता है। दो वर्ष की सेवा पूरी होने पर उन्हें कैप्टन के पद पर पदोन्नत कर दिया जाता है। आठ वर्ष के बाद मेजर और उसके बाद के आठ वर्ष बाद लै. कर्नल के पद पर पदोन्नत कर दिया जाता है।

लै. कर्नल से आगे ब्रिगेडियर और मेजर जनरल के पदों पर पदोन्नति चयन के आधार पर की जाती है। उन्हें जो वेतन और भत्ता मिलता है वह सेना चिकित्सा कोर के चिकित्सा अधिकारियों के एकदम समान होता है।

सेना नर्सिंग सेवा

इस सेवा में आने के लिए परिवीक्षार्थी नर्सेस स्कूल के लिए निर्धारित आयु सीमा आवेदन किए जाने के वर्ष की पहली दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष होती है तथा बी.एस.सी. उत्तीर्ण नर्सिंग के लिए किए आवेदन इसी वर्ष को दस नवम्बर तक किया जाता है । इस सेवा में प्रवेश निम्नलिखित माध्यमों से संभव होता है :—

(1) **सशस्त्र सेना आयुर्विज्ञान कालेज पुणे के बी.एस.सी. उत्तीर्ण नर्सिंग स्नातक**

इस पाठ्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लेने के बाद लगभग 30 उम्मीदवारों का चयन किया जाता है । पाठ्यक्रम की अवधि चार वर्ष की होती है । इसमें प्रवेश के लिए आयुर्विज्ञान वर्ग में न्यूनतम अर्हता कम से कम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र अथवा इसके समकक्ष परीक्षा होती है । बी. एस. सी. (नर्सिंग) ।

बी.एस.सी. डिग्री प्राप्त होने पर सेना नर्सिंग सेवा में लेफ्टिनेंट के ओहदे पर स्थायी कमीशन दिया जाता है ।

(2) **सशस्त्र सेना अस्पताल के नर्सिंग स्कूल की परिवीक्षार्थी नर्सें**

इसके लिए प्रतिवर्ष लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लेने के बाद उम्मीदवारों को सशस्त्र सेना अस्पतालों के कुछ चुने हुए नर्सिंग स्कूलों में तीन वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण हेतु चुना जाता है । इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अर्हताएं वही हैं जो बी.एस.सी. नर्सिंग के लिए अपेक्षित होती हैं । सफलतापूर्वक प्रशिक्षण समाप्त होने पर परिवीक्षार्थी नर्सों को लेफ्टिनेंट के रूप में स्थायी कमीशन दिया जाता है ।

(3) **सेना नर्सिंग सेवा (अस्थायी)**

जिन अविवाहित नर्सों के पास जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी का राज्य रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र होता है, उन्हें प्रारंभ में तीन वर्ष की अवधि के लिए अस्थायी कमीशन दिया जाता है । यह अवधि आगे चलकर अपने आप तब तक बढ़ाई जाती रहेगी जब तक कि उसकी सेवाएं अपेक्षित होती हैं । इसमें आने के लिए आयु सीमा 21 से 35 वर्ष होती है ।

(4) सेना नर्सिंग सेवा—स्थानीय

21 से 35 वर्ष की आयु वर्ग की विवाहित नर्सों को प्रारंभ में एक वर्ष की संविदाजात अवधि के लिए अस्थायी कमीशन दिया जाता है। यह अवधि आगे चलकर तब तक बढ़ाई जाती रहेगी जब तक कि उनकी सेवाएं आवश्यक हों।

(5) सेना नर्सिंग सेवा (नियमित)

जिन अविवाहित असैनिक नर्सों के पास जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी का राज्य रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र होता है, उन्हें स्थायी कमीशन दिया जाता है। इसके लिए आयु सीमा 20 से 35 वर्ष होती है।

पदोन्नति

नर्सिंग अधिकारियों को प्रथम कमीशन मिलने पर लेफ्टिनेंट के ओहदे पर नियुक्त किया जाता है। 7 वर्ष की सेवा पूरी होने पर कैप्टन के पद पर और 15 वर्ष की सेवा पूरी होने पर मेजर के पद पर पदोन्नति की जाती है। लेफ्टिनेंट कर्नल और इससे ऊपर के पदों पर पदोन्नति चयन के आधार पर की जाती है।

सेना नर्सिंग सेवा कार्मिक के लिए दिया जाने वाला वेतनमान निम्न प्रकार है:—

1. लेफ्टिनेंट	:	2000-60-2480 रु.
2. कैप्टन	:	2500-75-3150 रू.
3. मेजर	:	3200-100-3600 रू.
4. लेफ्टिनेंट कर्नल	:	3800-100-4100 रू.
5. कर्नल	:	4200-100-4400 रू.
6. ब्रिगेडियर	:	4500-100-4800 रू.
7. मेजर जनरल	:	4900-100-5200 रू.

वेतनमान के अलावा वे अन्य भत्ते तथा किराया रहित आवास सुविधा के हकदार हैं।

सेना के अन्य ओहदे :

सेना, अन्य ओहदों और गैर लड़ाकुओं (नाम लिखे गए) के गैर-कमीशन प्राप्त अधिकारियों (एन.सी.ओ.) की भी भर्ती करती है। अन्य ओहदों में सिपाही या इसके समकक्ष होते हैं। गैर लड़ाकुओं (नाम लिखे गए) तथा गैर कमीशन प्राप्त व्वायज अधिकारियों में दफादार (हवलदार), लान्स दफादार नायक होते हैं। जो ओहदे नायब-सूबेदार, रायसलदार/सूबेदार, रायलस मेजर/सूबेदार के ओहदे होते हैं उन्हें जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारी (जे.सी.ओ.) कहा जाता है। उन्हें गैर-कमीशन प्राप्त अफसरों और अन्य रैंक के अफसरों में से ही पदोन्नत किया जाता है। कनिष्ठ कमीशन प्राप्त अफसरों के रैंक के लिए कोई सीधी भर्ती नहीं की जाती। उन्हें कमीशन प्राप्त अफसरों और अन्य रैंक के अफसरों में से ही पदोन्नत किया जाता है। कनिष्ठ कमीशन प्राप्त अफसरों के रैंक के लिए कोई सीधी भर्ती नहीं की जाती। कनिष्ट कमीशन तथा अन्य रैंक वर्गों से उनकी पदोन्नति की जाती है। सिपाही या व्वाय के रूप में न्यूनतम रैंक में भर्ती की जाती है। सभी योद्धी-रंगरूटों को सर्वप्रथम लड़ाकू सैनिकों के रूप में प्रशिक्षण दिया जाता है फिर उन्हें उस विशेष ट्रेड के लिए ट्रेड परीक्षण दिया जाता है जिसके लिए उनका चयन किया जाता है। रिक्तियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भर्ती कार्यालयों के माध्यम से भर्ती की जाती है। भर्ती कार्यालय देश के सभी भागों में मौजूद हैं (देखें परिशिष्ट 'क') आप भी भर्ती अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं जब वे आपके क्षेत्र का दौरा करें। भर्ती अधिकारियों के दौरा कार्यक्रमों का पहले से ही पर्याप्त प्रचार कर दिया जाता है। अफसरों की भर्ती की स्थिति में अन्य रैंकों के लिए की जाने वाली भर्ती सभी नागरिकों के लिए होती है और इसमें उनकी जाति, धर्म और समुदाय पर विचार नहीं किया जाता। यौद्धी, गैर यौद्धी व्वाय के लिए शैक्षणिक और अपेक्षित आयु सीमा नीचे बताई गई है :—

रैंक	शैक्षिक योग्यता	आयु (वर्षों में)
योद्धी	5वीं कक्षा उत्तीर्ण	17 से 21 वर्ष (अधिकांश ट्रेडों के लिए)
गैर-योद्धी (नामांकित)	शिक्षा अपेक्षित नहीं	17 से 24 वर्ष
व्वाय	4 से 8 वीं कक्षा तक	$14\frac{1}{2}$ से $16\frac{1}{2}$ वर्ष

अन्य रोजगार जैसे कि लिपिक, भंडारी के लिए शैक्षिक योग्यता मैट्रिक है जबकि अन्य रोजगार जैसे कि इलैक्ट्रिकल फिटर, लाइन मैकेनिक, रेडियो मैकेनिक, टेलिग्राफ यंत्र मैकेनिक यंत्र, की बोर्ड प्रचालक आदि के लिए

उम्मीदवारों का विज्ञान और गणित विषयों सहित मैट्रिक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। गृह विज्ञान/सामान्य विज्ञान सहित मैट्रिक पास उम्मीदवारों के नाम केवल परिचर्या सहायक ट्रेड के लिए ही विचार किया जा सकता है।

मैट्रिक पास वे उम्मीदवार जो 30-40 शब्द प्रति मिनट की गति से टाइप कर सकते हैं और 100 शब्द प्रति मिनट की गति आशुलिपि में लिख सकते हैं, वे वैयक्तिक सहायक के पद के लिए पात्र हैं।

सभी रंगरूट शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त होने चाहिएं। ऐसे सभी योद्धी-रंगरूट, जिन्हें नियमित नियुक्ति के लिए चुना जाता है, के सभी सम्मिलित कलर तथा आरक्षित सेवा में 15 से 18 वर्ष के लिए नामांकित कर दिया जाता है। सध्वज (क्लर) सेवा की न्यूनतम अवधि 10 वर्ष है जो एन.सी.ओ./जे.सी.ओ. के रैंक पर पदोन्नत होने पर बढ़ा दी जाती है।

पदोन्नति

ऐसे सिपाहियों की, जो उत्कृष्ट योग्यता का प्रदर्शन करते हैं, उन्हें आर्मी कैडेट कालेज, पूना के माध्यम से सेना मे कमीशन प्राप्त रैंकों के लिए, सिफारिश की जाती है बशर्ते निम्नलिखित आवश्यकताओं को वे पूरा करते हों :—

(क) आयु : 19½ से 24 वर्ष के बीच।

(ख) शिक्षा : उच्चतर माध्यमिक या उसके समकक्ष।

(ग) सेवा : लान्स नायक के रूप में कम से कम दो वर्ष की प्रदत्त या अप्रदत्त सेवा प्रादेशिक सेना की स्थिति में तीन वर्ष की अंगीभूत सेवा या 4 वर्ष की अनंगीभूत सेवा होनी चाहिए।

वेतन और भत्ते

सेना में विद्यमान पांच ग्रुप (जिनमें 197 ट्रेड आते हैं) का वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

रैंक	ग्रुप				(रु० प्रतिमाह)
1	2	3	4	5	6
सिपाही	1100-1320	950-1170	920-1140	920-1120	870-1090
नायक	1160-1420	1020-1280	980-1240	960-1220	930-1190
हवलदार	1300-1550	1130-1380	1070-1320	1050-1300	1020-1270
नायब सूबेदार	1620-1860	1500-1740	1450-1690	1420-1660	1380-1620
सूबेदार	1870-2170	1750-2050	1700-2000	1670-1970	1630-1930
सूबेदार मेजर	2200-2440	2050-2290	2050-2290	2050-2290	2000-2240

महंगाई भत्ते के अतिरिक्त सशस्त्र सेना कार्मिक को कई अन्य भत्ते, सुविधाएं, रियायतें और लाभ भी दिए जाते हैं इस संबंध में ब्यौरे परिशिष्ट 'घ' पर दिए गए हैं ।

भारतीय नौसेना

भारतीय नौसेना की मुख्य जिम्मेदारी हमारी 7500 कि.मी. तटीय रेखा और 20 लाख वर्ग कि.मी. के क्षेत्र की रक्षा करना है । इसमें आर्थिक अंचल शामिल नहीं है । इससे और द्वीपीय क्षेत्र का एक बड़ी संख्या में होने से हिन्द महासागर में भारत को अपना नियंत्रण और प्रभुत्व बनाए रखना, अपनी सुरक्षा और भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है ।

आधुनिकीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय नौसेना ने यह क्षमता प्राप्त कर ली है कि वह अब न केवल समुद्र की सतह पर, किन्तु अपने एयरक्राफ्ट कैरियर, सबमैरिन अन्य जहाजों के ऊपर और नीचे दोनों ही स्थानों से मार कर सकते हैं । भारतीय नौसेना के अफसर की जिंदगी कई चीजों का मजेदार मिश्रण है अर्थात् कठिन परिश्रम व्यावसायिक जोखिम और साहसिक कार्य तथा इधर-उधर आने-जाने के अवसर और भारत तथा विदेश के स्थानों को देखने का मौका मिलता है ।

यदि आप शारीरिक दृष्टि से चुस्त-दुरुस्त नौजवान हैं और खुले समुद्र में यात्रा करने का शौक रखते हैं तो निम्नलिखित जानकारी आपके लिए लाभप्रद होगी :—

नौसेना के अफसर कैडेर में पांच शाखाएं हैं अर्थात्—

(1) कार्यकारी (2) इंजीनियरिंग (3) इंजीनियर (नौसेना वास्तुकला) (4) इलैक्ट्रिकल (5) शिक्षा ।

(इन शाखाओं में भर्ती के लिए, परिशिष्ट 'ख' में दी गई पात्रता शर्तें देखें ।)

(1) कार्यकारी शाखा :—समुद्र में जहाजों की नौसेना कमान की ये सक्रियात्मक शाखा है, जिसे इस शाखा के अफसरों द्वारा चलाया जाता है । कोई व्यक्ति इस शाखा के तीन अंग अर्थात् (क) सामान्य सेवा (ख) विमानन (ग) पनडुब्बी अंग (सब मैरीन) में शामिल हो सकता है । इस कार्यकारी शाखा में कार्य करते हुए व्यक्ति निम्नलिखित विशेषज्ञता प्राप्त कर सकता है— (1) गनरी और मिसाइल (2) मार्ग निर्देशन और दिशा निर्देशन (3) टारपीडो

और पनडुब्बी रोधी (4) संचार (5) संप्रचालनीकी प्रबंध (6) जल सर्वेक्षण और (7) आयुद्ध निरीक्षण ।

इस शाखा के अफसर कार्यकारी अफसर की हैसियत से शस्त्रों को आसानी से चला सकते हैं और कमान के ऐसे कार्य भी कर सकते हैं, जिसमें उपकरणों का व्यापक ज्ञान होना आवश्यक होता है । युद्ध और शान्ति के दिनों में जहाज और आदमियों की सुरक्षा, जहाज के परिचालन के लिए समय पर अभ्यास करने का उत्तरदायित्व भी कार्यकारी अफसर पर होता है ।

इंजीनियरी (नौसेना–वास्तुशिल्पी) :—

इस शाखा में काम करने वाले अफसर युद्ध जहाज निर्माण करने में विशेषता हासिल कर लेते हैं । नौसेना वास्तुशिल्पी की हैसियत से व्यक्ति डिजाइन निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, मरम्मत तथा नौसेना जलयानों के नए निर्माण कार्यों में रत रहता है ।

इलैक्ट्रिकल शाखा :—

युद्धपोत एक चलता-फिरता छोटा सा शहर होता है और स्वत: पावर उत्पन्न करता है और उसका वितरण करता है । इसके अलावा जटिल शस्त्र पद्धतियां, मिसाइल पद्धतियां, जलान्तर शस्त्र, राडार और रेडियो संचार उपकरण युद्धपोत के उपकरण के एक बड़े हिस्से के रूप में होते हैं । जहाज को कारगर रूप से लड़ाई योग्य बनाने के उद्देश्य से सभी उपकरणों को सर्वोच्च दक्षता पर कार्य करने वाला होना चाहिए इस सब की जिम्मेदारी इलैक्ट्रिकल अफसर की होनी चाहिए ।

शिक्षा शाखा :—

शिक्षा अफसर की हैसियत से व्यक्ति नौसेना अफसरों नाविकों के समग्र परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । वह वैज्ञानिक और क्रमबद्ध अनुदेश जिसमें नौसेना के सभी शाखाओं के तकनीकी क्षेत्र के सैद्धान्तिक पहलू शामिल हैं, के लिए उत्तरदायी होता है तथा तट तथा समुद्र दोनों ही जगहों पर सामान्य शिक्षा देने के लिए भी उत्तरदायी होती है । इस शाखा में कार्य करते हुए व्यक्ति समुद्र विज्ञान और मौसम विज्ञान का विशेषज्ञ बन सकता है तथा कार्यकारी शाखा की सामान्य सेवा के किसी भी क्षेत्र में विशेषता प्राप्त कर सकता है ।

नौसेना अफसरों के लिए सभी कार्य वेतन और भत्ते

कार्यकारी सब लफ्टि० से कमोडोर	2300 से 5100 रु०
रियर एडमिरल	5900 से 6700 रु०
वाईस एडमिरल	7300 से 7600 रु०
वो०सी०एन०एस०/सी०आई०एन०सी०	8000 स्थायी
एडमिरल नौसेना प्रमुख	9000 स्थायी

वेतन के अतिरिक्त सेना, अफसरों के समान ये भी निम्नलिखित दरों पर रैंक वेतन के हकदार होते हैं—लैफ्टिनेंट 200/- लैफ्टिनेंट कमाण्डर 600/-, कमान्डर 800/-, कैप्टन 1000/- और कमोडोर 1200/- ।

विनिर्धारित योग्यता रखने वाले सी डी आर और उससे निचले रैंक के अफसर एकमुश्त अनुदान पाने के हकदार होते हैं जो उनकी योग्यता के अनुसार 2000/-, 3000/-, 5625/- अथवा 7500/- हैं ।

फ्लाइंग नोवीगेटर शिक्षक श्रेणी क और ख को क्रमश: 100/- और 70/- प्रतिमाह योग्यता वेतन पाने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।

नौसेना के अफसर उन सभी भत्तों को पाने के हकदार हैं जो थल सेना के अफसरों को मिलता है ।

नौसेना के अफसरों को 3500/- का परिधान भत्ता दिया जाता है जो कारगर सेवा के 7 वर्ष पूरा होने के बाद पुन: दिया जाता है ।

तकनीकी वेतन :— 75/- से 350/- के बीच होता है । उड़ान ड्यूटियों के लिए चुने गए अफसरों को 1200/- प्रतिमाह की दर से उड़ान वेतन दिया जाता है । इसी तरह पनडुब्बी शाखा के लिए चुने गए अफसर, पनडुब्बी वेतन को पाने के हकदार हैं जो कि 1200/- प्रतिमाह ही है ।

प्रतिवर्ष 30 दिनों की दर पर अनुपयुक्त वार्षिक छुट्टी को भुनाए जाने की अनुमति है जो अधिवर्षता पर अधिक से अधिक 240 दिन तक होती है ।

पदोन्नति :—

नौसेना के अफसर क्रमश: 1, 3, 8 और 24 वर्ष (यदि चयन द्वारा पदोन्नत न किया गया हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा) की सेवा पूरी

कर लेने के बाद समयमान के अनुसार सब लेफ्टिनेंट, लेफ्टिनेंट कमांडर और कमांडर के रैंक पर स्थायी पदोन्नतियों के पात्र हैं ।

उच्च रैंकों पर की जाने वाली पदोन्नतियां केवल योग्यता के आधार पर की जाती हैं । उच्च रैंकों पर पदोन्नति की सेवा-सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

कमांडर, कार्यकारी शाखा—लै. कमांडर के रूप में 2 से 8 वर्ष की वरिष्ठता

कमांडर, इंजीनियरिंग शाखा—लै. कमांडर के रूप में 2 से 10 वर्ष की वरिष्ठता

कमांडर, इलैक्ट्रिकल शाखा-2—लै. कमांडर के रूप में 2 से 10 वर्ष की वरिष्ठता

कैप्टन—कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

रियर एडमिरल—कोई रोक नहीं

वाइस एडमिरल—कोई रोक नहीं ।

कार्यकारी पदोन्नति :—

नौसेना में कार्यकारी पदोन्नति के लिए सेवा की कोई सीमा नहीं है सिवाय लैफ्टनेंट कर्नल के रैंक के लिए, जिसमें अफसर को लैफ्टनेंट के रैंक पर छः वर्ष की वरिष्ठता प्राप्त हो जानी चाहिए ।

गैर कमीशन प्राप्त रैंक (नाविक)

नौसेना में नाविकों की भर्ती देश में फैले हुए भर्ती कार्यालयों के माध्यम से की जाती है (देखें परिशिष्ट ग) उम्मीदवारों का चयन करने के लिए भर्ती अफसरों की टीम भिन्न-भिन्न क्षेत्रों का दौरा भी करती है । उनके दौरा कार्यक्रमों को पहले से ही प्रमुख समाचार-पत्रों में प्रकाशित कर दिया जाता है जिससे इच्छुक उम्मीदवार समय-समय पर उनसे संपर्क कर सकें ।

प्रशिक्षण के बाद नाविकों को दो ट्रेड ग्रुप अर्थात् आर्टिफिसर तथा गैर आर्टिफिसर में बांट दिया जाता है । आर्टिफिसर नौसेना के वे दक्ष कार्मिक होते हैं, जो जहाजों पनडुब्बी या विमान में जब कभी ब्रेक डाउन होता है

तो उसे समय से पुनः चालू कर देते हैं । वास्तव में आर्टिफिसर विशाल नौसेना समूह के प्रत्येक पहलू-बंदूक तथा मिसाइलों से लेकर नोदन संयंत्र तथा उड़ान पद्धतियों तक का ध्यान रखते हैं । दूसरे शब्दों में फील्ड में विशिष्ट ड्यूटियों के लिए आर्टिफिसर जिम्मेदार होते हैं । उदाहरणतः इलैक्ट्रिकल, संचार, इंजीनियरी आदि । गैर आर्टिफिसरों को सेवा की विभिन्न शाखाओं में बांटा जाता है उदाहरणतः स्टीवर्ड, रसोइए, संगीतज्ञ आदि ।

प्रथम श्रेणी तकनीशियन होने के अतिरिक्त आर्टिफिसरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मरम्मत तथा अनुरक्षण टीमों का नेतृत्व करके अपनी संगठनात्मकता और प्रबंध दक्षता का एक नमूना पेश करें ।

प्रशिक्षण :—भारतीय नौसेना अपने आर्टिफिसरों को स्वयं प्रशिक्षण देती है और नौसेना आर्टिफिसर शिक्षुता को पूर्ण और व्यापकता के रूप में मान्यता प्राप्त है । यह प्रशिक्षण सिविल प्राधिकारियों द्वारा किए जाने वाले डिप्लोमे के समकक्ष है । शिक्षु को 3½ वर्ष का प्रशिक्षण तट पर और 6 माह का प्रशिक्षण समुद्र में दिया जाता है ।

यदि आपके पास समुचित इंजीनियरी शाखा में डिप्लोमा है तो आप आर्टिफिसर के पदों पर सीधे प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं ।

अर्जन/आय

प्रवेश प्राप्त कर लेने पर आर्टिफिसर शिक्षुओं को अनुमानतः 500/- प्रति माह दिया जाता है । रियायती दरों पर वे कई अनुलाभों को प्राप्त करने के भी हकदार हैं जैसे निःशुल्क भोजन, आवास, वस्त्र, चिकित्सा सुविधाएं तथा कैन्टीन सुविधाएं । सीधे प्रवेश प्राप्त करने वाले आर्टिफिसरों को प्रशिक्षण के दौरान इन परिलब्धियों के अतिरिक्त लगभग 750/- रु. मिलते हैं । प्रशिक्षण पूरा कर लेने पर आर्टिफिसर लगभग रुपए 830/- प्रतिमास पर शुरुआत करते हैं । इन परिलब्धियों में पदोन्नति के साथ-साथ वृद्धि होती रहती है और एक मास्टर चीफ की परिलब्धियां लगभग रुपए 1800/- प्रतिमास हैं । उपर्युक्त के अतिरिक्त वे अपने और अपने परिवार के लिए छुट्टी यात्रा रियायत सहित उदार छुट्टी के हकदार होते हैं । उनके लिए उपयुक्तता तथा निष्पादन के आधार पर कमीशन प्राप्त अफसर बनने के अवसर भी विद्यमान होते हैं । (पात्रता शर्तों के लिए कृपया परिशिष्ट 'घ' देखें) ।

भारतीय वायु सेना

आकाश के रखवालों के रूप में भारतीय वायु सेना, भारतीय रक्षा सेनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है । यह निरन्तर शक्तिशाली होती जा रही है । इसने यह साबित कर दिया है कि यह राष्ट्र के न केवल युद्ध के दिनों में राष्ट्र की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन है बल्कि शान्ति में भी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मुसीबत में फंसे लोगों तथा दुर्गम क्षेत्रों में भी लोगों को आवश्यक सामान पहुंचाने में अपनी सेवा उपलब्ध करती है ।

भारतीय वायु सेना एक अत्यंत उच्च तकनीकी सेवा है, प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह पायलट, नौचालक या तकनीकी/गैर तकनीकी एयरमैन हो, एक कुशल व्यक्ति होता है । उड़ान शाखा के अतिरिक्त भारतीय वायु सेना, तकनीकी तथा गैर तकनीकी शाखाओं में उम्मीदवारों को आजीविका के अवसर प्रदान करती है ।

भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाएं निम्नलिखित हैं :

(क) उड़ान शाखा---पायलट, नौचालक इस शाखा में कार्य करते हैं ।

(ख) तकनीकी शाखाएं--जिसमें (1) वैमानिकी इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिक्स) (2) वैमानिकी इंजीनियरी (अभियांत्रिकी) ।

(ग) ग्राउंड ड्यूटी (गैर तकनीकी) शाखाएं---इसमें (क) प्रशासनिक शाखा (ख) सुप्रचालनिक शाखा (ग) लेखा शाखा (घ) मौसम विज्ञान शाखा (ङ) शिक्षा शाखा (च) चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा शाखा शामिल हैं । अन्य रक्षा सेनाओं के समान भारतीय वायु सेना भी शारीरिक अपेक्षाओं पर पर्याप्त बल देती है विशेषकर पायलटों के लिए । नामांकित उम्मीदवारों की कड़ी स्वास्थ्य परीक्षा ली जाती है । बाद में उनकी नियमित अंतरालों पर स्वास्थ्य परीक्षा की जाती है । इस बात को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों को भारतीय वायु सेना में कमीशन प्राप्ति के लिए आवेदन करने से पहले स्वयं अपनी स्वास्थ्य परीक्षा करा लेनी चाहिए ।

भारतीय वायु सेना में कमीशन प्राप्ति के लिए पात्रता

आपको भारत, नेपाल या भूटान का निवासी होना चाहिए या भारतीय मूल
का ऐसा व्यक्ति, जो बर्मा, श्रीलंका या पूर्वी पाकिस्तान से भारत में स्थायी
रूप से बस जाने के आशय से आया हो ।

कमीशन प्राप्ति के लिए अविवाहित उम्मीदवार ही पात्र हैं । आयु की
अधिकतम सीमा 25 वर्ष या उससे कम है । 25 वर्ष से अधिक आयु सीमा
होने की स्थिति में विवाह बंधन नहीं है । प्रशिक्षण की अवधि के दौरान
विवाह करने की अनुमति नहीं है । भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं
में कमीशन प्राप्ति के अन्य योग्यता विवरण परिशिष्ट 'ङ' में दिए गए हैं ।

उड़ान शाखा :—मानवीय गल्तियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम
से कम करने के लिए भारतीय वायु सेना अपनी उड़ान शाखा के लिए उम्मीदवारों
के चयन और उनके प्रशिक्षण में अत्यंत सावधानी बरतता है इसलिए यह
स्वाभाविक है कि उनका स्तर ऊंचा बना रहता है । कर्मीदल के सदस्यों
के रूप में उत्तीर्ण होने वाले उम्मीदवारों को उनकी सेवा की संपूर्ण अवधि में
कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है और उनकी शारीरिक स्वस्थता तथा उड़ान प्रवी-
णता की आवधिक जांच की जाती है । प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने पर
उम्मीदवारों को पायलेट अफसर का रैंक देते हुए स्थायी कमीशन दिया जाता
है ।

(क) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी

इस संबंध में ब्यौरे के लिए कृपया 'भारतीय सेना' नामक अध्याय देखें ।
वे उम्मीदवार जो वायु सेना में आना चाहते हैं, उन्हें एक अतिरिक्त परीक्षा,
जिसे पायलेट अभिक्षमता परीक्षण कहा जाता है, उत्तीर्ण करनी होती है ।
इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य भारी पायलेटों के समन्वय, अभिव्यक्ति और
नेत्र दृष्टि का परीक्षण करना है । इस परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवारों
को केवल एक मौका दिया जाता है । उड़ान शाखा (पायलेट) के लिए चुने जाने
वाले उम्मीदवारों को 75 सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा करना होता है ।

(ख) उड़ान शाखा (नौ-चालक)

वे उम्मीदवार जो उड़ान ड्यूटी पायलट रैंक के लिए नहीं चुने जाते, उन
पर नौचालन शाखा के लिए विचार किया जाता है । इस शाखा में सीधी भर्ती
नहीं होती। उड़ान शाखा के लिए भर्ती के अन्य स्रोत निम्नलिखित हैं :—

(1) एन.सी.सी. के माध्यम से
(2) सेवारत एयरमैनों के बीच से पदोन्नति द्वारा

(ग) राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) के उम्मीदवार

एन.सी.सी. के वे उम्मीदवार, जो स्नातक हों और एन.सी.सी. का 'सी' प्रमाणपत्र रखते हों तथा जिन्होंने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एयर विंग) के सीनियर डिवीजन में कम से कम तीन वर्ष तक कार्य किया हो, वे इसके लिए पात्र उम्मीदवार हैं। उनका साक्षात्कार वायुसेना चयन बोर्ड द्वारा किया जाता है स्वास्थ्य की दृष्टि से जिन्हें उपयुक्त पाया जाता है उन्हें अन्तिम रूप से चुन लिया जाता है।

(घ) सेवारत एयरमैन

वे कार्यरत एयरमैन, जो मैट्रिक पास हों और अन्य सभी अपेक्षाएं पूरी करते हैं, उनके आवेदन वायुसेना मुख्यालय को भेजे जाते हैं । पात्र उम्मीदवारों को बुद्धि परीक्षा के लिए बुलाया जाता है और वायुसेना चयन बोर्ड द्वारा उनका साक्षात्कार लिया जाता है। अन्तिम चयन उनके शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने पर किया जाता है। उम्मीदवारों को 23 सप्ताह का उड़ान पूर्व प्रशिक्षण लेना होता है और बाद में उन्हें उड़ान प्रशिक्षण के लिए एन.डी.ए. कैडेटों में शामिल कर लिया जाता है।

2. तकनीकी शाखाएं

इन शाखाओं में वैमानिकी इंजीनियरी (इलैक्ट्रानिक्स) और वैमानिकी इंजीनियरी (यांत्रिक) शामिल हैं।

समाचार पत्रों में दिए गए विज्ञापनों के जवाब में वायुसेना मुख्यालय द्वारा इलैक्ट्रानिक्स दूरसंचार/इलैक्ट्रिकल इंजीनियरी में (या उच्च ii श्रेणी) के डिग्री धारकों से आवेदन मांगे जाते हैं (विवरण के लिए परिशिष्ट ड. देखें) आपकी आयु 18 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए । वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है । प्रशिक्षण की समाप्ति पर उम्मीदवारों को पायलट अफसर के रैंक में कमीशन दिया जाता है।

3. गैर तकनीकी शाखाएं

गैर तकनीकी शाखा अर्थात् प्रशासन, सुप्रचालनिकी लेखा, शिक्षा और मौसम विज्ञान शाखाओं के लिए अपेक्षित योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों में से सीधे भर्ती द्वारा चयन किया जाता है । पात्र उम्मीदवारों को वायुसेना चयन बोर्ड द्वारा परीक्षा और साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है । उम्मीदवार

शारीरिक रूप से भी स्वस्थ होने चाहिएं। प्रशिक्षण की अवधि 52 सप्ताह है।

(क) प्रशासन शाखा

इस शाखा में प्रवेश के लिए आपकी आयु 20 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए और कला, विज्ञान और वाणिज्य में (आनर्स) की डिग्री होनी चाहिए।

(ख) सुप्रचालनिकी शाखा

उपशाखा में प्रवेश के लिए आपके पास बी.ए./बी.एससी./बी. काम की डिग्री या कोई उच्च डिग्री होनी चाहिए। आयु 20 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

(ग) लेखा शाखा

इस शाखा में नौकरी पाने के लिए आपके पास प्रथम श्रेणी में बी. काम. (आनर्स) की डिग्री होनी चाहिए और आपकी आयु 20 से 23 वर्ष होनी चाहिए।

(घ) शिक्षा शाखा

इस शाखा में नौकरी पाने के लिए आपके पास विनिर्दिष्ट विषय में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए और आयु 21 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

मौसम विज्ञान शाखा

इस शाखा में भर्ती के लिए अपेक्षित योग्यताएं निम्नलिखित विषयों अर्थात् भौतिकी, अनुप्रयुक्त भौतिकी, भू-भौतिकी में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की एम.एससी. की डिग्री (उच्च i या ii श्रेणी) बशर्ते कि मौसम विज्ञान को एक विशेष विषय के रूप में लिया गया हो या मौसम विज्ञान या समुद्र विज्ञान में एम.एससी. (तक.) या एम.ए./एम.एससी. गणित की डिग्री होनी चाहिए।

आयु 20 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। 25 वर्ष तक की आयु में छूट उच्च योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए है।

प्रशिक्षण के दौरान सभी शाखाओं (प्रौद्योगिकी और मौसम विज्ञान शाखा के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) के उम्मीदवारों को फ्लाइट कैडेट का पद दिया जाता है और उन्हें सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर लेने पर पायलट अफसर के रूप में स्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

तकनीकी अफसरों को, वायुसेना के खर्चे पर भारत और विदेश में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने का अवसर प्राप्त होता है बशर्ते कि वे योग्यता और उपयुक्तता को पूरा करते हों। अध्ययन अवधि के दौरान उन्हें ड्यूटी पर ही माना जाता है और वे वेतन तथा भत्ते प्राप्त करने तथा अन्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

वायुसेना अधिकारी को देय वेतन और भत्ते निम्नलिखित हैं :—

पायलट अधिकारी से एयर कोमडोर	: 2300 से 5100/-
एयर वाईस मार्शल	: 5900 से 6700/-
एयर मार्शल	: 7300 से 7600/-
एयर मार्शल, वी.सी.ए.एस. कमान	: 8000/- नियत
मार्शल चीफ आफ एयर स्टाफ	: 9000/- नियत

वेतन के अतिरिक्त वायुसेना के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर रैंक वेतन आहरण के भी हकदार होंगे :—

फ्लाइंग लैफ्टिनेंट	: 2000/-
स्क्वाड्रन लीडर	: 600/-
विंग कमांडर	: 800/-
ग्रुप कैप्टन	: 1000/-
एयर कमांडर	: 1200/-

इसके अतिरिक्त विनिर्धारित योग्यता रखने वाले उड़ान शाखा अफसरों को 100/- प्रतिमाह या 70/- प्रतिमाह की दर पर योग्यता वेतन भी दिया जाता है। दूसरी ओर उन्हें 7500/-, 5625/-, 3000/- और 2000/- की दर से योग्यता अनुदान भी दिया जाता है।

साधारणतः थल सेना और नौ सेना के अफसरों को दिए जाने वाले भत्ते वायुसेना के अफसरों को दिए जाने वाले भत्ते समान होते हैं।

सेवा पश्चात रोजगार संभावना

वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए कई पायलटों को एयर इंडिया और इण्डियन एयर लाइन्स द्वारा आकर्षक परिलब्धियों पर रख लिया जाता है।

सेवारत एयरमैन के लिए प्रवेश

वायुसेना में अन्य रैंकों को एयरमैन कहा जाता है। उन्हें विभिन्न तकनीकी और गैर तकनीकी ट्रेडों की मुफ्त शिक्षा दी जाती है। वे इन ट्रेडों में प्रशिक्षित होते हैं जैसे कि इलैक्ट्रिशियन/उपकरण मरम्मतकर्त्ता, लोहार, वेल्डर तांबा चादर धातु कामगार, शिक्षा अनुदेशक (कृपया परिशिष्ट ङ देखें)

ग्रुप 1 में लोहार, वेल्डर, ताम्रकार, चादर धातु कामगार, इलैक्ट्रिशियन- 1 और उपकरण मरम्मतकर्त्ता (1) और ग्रुप 2, 3, 4 के सभी ट्रेडों में सीधी भर्ती की जाती है। ग्रुप 1 के अन्य ट्रेडों में मौजूद रिक्तियों को ग्रुप 2 के समानरूप ट्रेडों से की जाती है। एयरमैन की भर्ती के लिए विज्ञापन प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में दिए जाते हैं। यदि आप इच्छुक हों तो संबंधित वायुसेना भर्ती अधिकारी से संपर्क करें।

पात्रता

एयरमैन के रूप में नियुक्ति के लिए आपको न केवल अपेक्षित शैक्षिणक योग्यताएं ही पूरी करनी होंगी बल्कि कुछ शारीरिक मानदण्ड भी पूरे करने होंगे। शैक्षिणिक योग्यता, आयु से संबंधित ब्यौरे निम्नलिखित हैं :—

ट्रेड/ग्रुप	आयु (वर्षों में)	शैक्षणिक योग्यता
इलैक्ट्रिशियन और उपकरण मरम्मतकर्ता (ग्रुप—1)	18—23	विज्ञान विषय सहित 10वीं कक्षा पास और राज्य के पोलीटेक्नीक से संबंधित ट्रेड में ii श्रेणी से डिप्लोमा या आई० टी० आई० से व्यावसायिक शिक्षुता पाठ्यक्रम में द्वितीय श्रेणी का प्रमाण-पत्र
लोहार, वैल्डर, ताम्रकार धातु कामगार ग्रेड-1 तथा ग्रेड-।। के सभी ट्रेड सिवाय शिक्षा शिक्षक के	16—20	गणित और विज्ञान विषयों (भौतिकी और रसायन शास्त्र) सहित 10वीं कक्षा पास
शिक्षा अनुदेशक (ग्रेड-।।)	20—25 (प्रथम या द्वितीय श्रेणी में एम०ए०/एम०एस० सी० पास के लिए 28 वर्ष)	बी०ए० आनर्स/बी०एससी० (आनर्स) या बी०ए०/बी०एससी० साथ में अध्ययन डिग्री अनुभव के साथ बी०ए०/बी०एससी० उत्तीर्ण
ग्रेड III और ग्रेड IV के सभी ग्रेड	16—20	दसवीं कक्षा या उसके समकक्ष उत्तीर्ण

शारीरिक मानदंड :——सभी श्रेणियों के लिए एक समान ही है । उम्मीदवार को किसी भी तरह के सक्रिय या गुप्त गम्भीर या चिरकालिक स्वास्थ्य संबंधी या शल्य चिकित्सा संबंधी विकलांगता अथवा संक्रमण रोग से मुक्त होना चाहिए।

निम्नलिखित को छोड़कर,

ऊंचाई। न्यूनतम ऊंचाई 152.40 सें०मी० होनी चाहिए।

1. यांत्रिक परिवहन चालक	165.10 सें०मी०
टांग की अंदरूनी लंबाई	76.20 सें०मी०
2. वा० वायुसेना पुलिस	167.64 सें०मी०
गोरखा व गढ़वालियों के लिए	152.40 सें० मी०
3. संगतिज्ञ	162.56 सें०मी०
वजन	47.67 किलोग्राम
छाती	न्युनतम 81.20 सें०मी०
	5.08 सें०मी० तक छाती फूलनी चाहिए

प्रशिक्षण :——ट्रेड के अनुसार प्रशिक्षण की अवधि अलग-अलग होती है ।

योजना एवं समन्वय निदेशालय

योजना एवं समन्वय निदेशालय, जो एक एजेन्सी के रूप में कार्य करता है, वह इस बात के लिए जिम्मेदार है कि रक्षा सेवा की योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और आयुद्ध फैक्ट्रियो की क्रिया-कलापों में समन्वय स्थापित कर सके और इसलिए प्रमुखतया वह तीनों सेनाओं के सापेक्षिक योजना के आधार पर रक्षा उत्पाद योजनाओं को तैयार करने से जुड़ा हुआ है। ये निदेशालय, आयुद्ध फैक्ट्रियों और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों दोनों के द्वारा चलाई जा रही बड़ी परियोजनाओं पर निगरानी रखने का कार्य भी करता है और यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य प्रमुख आर्थिक मंत्रालय से संपर्क बनाए रखता है कि उनके कारण रक्षा उत्पादन विभाग के अन्तर्गत पहले से ही उपलब्ध योजनाओं में कहीं कोई पुनरावृत्ति न हो।

निदेशालय के कार्मिकों को नवीनतम प्रौद्योगिकी विकास से भली-भांति अवगत कराने के लिए अफसरों और तकनीकी स्टाफ को विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भेजा जाता है ।

नगरों के नाम, जहां सेना के भर्ती कार्यालय स्थित हैं

अमृतसर	ग्वालियर	मुर्शिदाबाद
अम्बाला	गुवाहाटी	मद्रास
आगरा	गुड़गांव	नागपुर
अजमेर	गुण्टूर	पुणे
अलवर	[illegible]	पालमपुर
औरंगाबाद	हमीरपुर	पटियाला
अहमदाबाद	इन्दौर	रोहतक
बरेली	जालंधर	रांची
भोपाल	जम्मू	राजकोट
बम्बई	जोरहाट	[illegible]
बेलगांव	जोधपुर	शिमला
बंगलोर	झुनझुनु	शिलांग
चरखी दादरी	जबलपुर	सिल्चर
कलकता	कोटा	सिलिगुड़ी
कालीकट	कुनराघाट	सतारा
कटक	लुधियाना	सिकन्दराबाद
दिल्ली	लैण्ड्सडाउन	तिरुचिरापल्ली
दीनापुर कैण्ट	लखनऊ	वाराणसी
एरनाकूलम	मुजफ्फरनगर	फिरोजपुर
मेरठ		

प्रवेश की किस्म/शाखा	आयुसीमा	शैक्षणिक योग्यताएं	आवेदन-पत्र कहां से उपलब्ध हैं	कमीशन का प्रकार
1	2	3	4	5
कार्यकारी				
(क) कैडेट प्रवेश (एन०डी०ए०)	16 1/2–19 वर्ष	10+2 या समतुल्य	रोजगार समाचार-पत्रों तथा क्षेत्रीय समाचार-पत्रों में फार्मेट दिया जाता है	स्थायी
(ख) कैडेट प्रवेश 10+2 (कार्यकारी) नौसेना अकादमी (एन०डी०ए० परीक्षा के माध्यम से)	16 1/2–19 वर्ष	भौतिकी, रसायनशास्त्र या गणित विषयों सहित 10+2 या समतुल्य	—वही—	स्थायी
(ग) स्नातक विशेष प्रवेश नौसेना अकादमी, गोआ (सी०डी०एस०ई० के माध्यम से)	19–22 वर्ष	विज्ञान स्नातक (भौतिकी एवं गणित) या इंजीनियरी स्नातक	—वही—	स्थायी
(घ) एन०सी०सी० विशेष प्रवेश नौसेना अकादमी, गोआ	19–22 वर्ष	विज्ञान स्नातक (भौतिकी एवं गणित) या इंजीनियरी स्नातक तथा नौसेना विंग सीनियर डिवीजन एन०सी०सी० "सी" प्रमाणपत्र	महानिदेशक एन०सी०सी० वेस्ट ब्लाक 1/ रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली–22	स्थायी

1	2	3	4	5
सीधा प्रवेश				
(क) इस समय केवल	10 1/2–25 वर्ष	इलैक्ट्रानिक्स/इलैक्ट्रिकल/ मेकेनिकल इंजीनियरी या इलैक्ट्रानिक्स या भौतिकी में स्नातकोत्तर डिग्री	फार्मेट	स्थायी
इंजीनियरी				
(क) कैडेट प्रवेश (एन०डी०ए०)	19 1/2–25 वर्ष	10+2 या समतुल्य	रोजगार समाचार पत्रों तथा क्षेत्रीय समाचारपत्रों में फार्मेट दिया जाता है	स्थायी
(ख) 10+2(तक०) कैडेट प्रवेश इंजी० योजना	19 1/2–25 वर्ष	भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं गणित विषयों सहित 10+2 या समतुल्य (कुल अंक 70 प्रतिशत या अधिक)	—वही—	स्थायी
(ग) सीधे प्रवेश योजना	19 1/2–25 वर्ष	जहाजी/मेकेनिकल/केन्द्रीय वैमानिकी/धातु विज्ञान/ प्रोडक्शन या मान्यता प्राप्त मेकेनिकल इंजी० में समतुल्य	—वही—	स्थायी

		योग्यताएं जो उम्मीदवार को उससे जुड़ी परीक्षा के खंड 'क' एवं 'ख' से छूट देती हैं।		
(घ) विश्वविद्यालय प्रवेश योजना	18 1/2–23 1/2 वर्ष	उक्त डिग्री पाठ्यक्रमों में फाइनल/पूर्व/फाइनल वर्ष के विद्यार्थी	कालेजों के प्रशिक्षण एवं स्थापन अधिकारी या मनुष्य शक्ति एवं भर्ती निदेशालय नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली	स्थायी/ अल्पकालिक
इंजीनियरी (नौसेना वास्तुकार)				
(क) 10+2 (तक०) कैडेट प्रवेश योजना (नौसेना वास्तुशिल्प)	16 1/2–19 वर्ष	भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं गणित विषयों सहित 10+2 या समतुल्य (कुल अंक 70 प्रतिशत या अधिक)	रोजगार समाचारपत्रों तथा क्षेत्रीय समाचार–पत्रों में फार्मेट दिया जाता है	स्थायी
(ख) नौसेना समर्थित योजना	17–20 वर्ष	चुने हुए इंजी० कालेजों के प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी/नौसेना वास्तु–शिल्प (एन०ए०) इंजी०–नियरी का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी	कालेजों के प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक अधि–कारी या मनुष्य शक्ति एवं भर्ती निदेशालय नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली–1	स्थायी

1	2	3	4	5	6
(ग)	विश्वविद्यालय प्रवेश योजना	$18\frac{1}{2}$—$23\frac{1}{2}$ वर्ष	नौसेना वास्तुशिल्प के पूर्व अन्तिम/अन्तिम वर्ष के विद्यार्थी	कालेजों के प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक अधिकारी या मनुष्य शक्ति एवं भर्ती निदेशालय नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-1	स्थायी
(घ)	सीधे प्रवेश योजना	21—25 वर्ष	नौसेना वास्तुशिल्प/मैके-निकल वैमानिकी/सिविल/धातुविज्ञान इंजी० में उच्च द्वितीय श्रेणी (न्यूनतम 60 प्रतिशत) डिग्री	रोजगार समाचारपत्रों एवं क्षेत्रीय समाचार-पत्रों में फार्मेट दिया जाता है	स्थायी
	इलेक्ट्रीकल				
(क)	कैडेट प्रवेश (एन०डी०ए०)	$16\frac{1}{2}$—19 वर्ष	10+2 या समतुल्य	—वही—	स्थायी
(ख)	10+2 (तक०) कैडेट प्रवेश योजना (निर्वाचन)	$16\frac{1}{2}$—19 वर्ष	भौतिकी, रसायनशास्त्र तथा गणित विषयों सहित 10+2 या समतुल्य (कुल 70% अंक या अधिक)	—वही—	स्थायी
(ग)	सीधे प्रवेश योजना	$19\frac{1}{2}$—25 वर्ष	इलैक्ट्रिकल/इलैक्ट्रानिक्स/दूरसंचार इंजी० में डिग्री या इंस्टीट्यूशन फार इंजी–	—वही—	स्थायी/अल्पकालिक

		नियर्स इंडिया या दूरसंचार इंजीनियर्स इंडिया द्वारा मान्यताप्राप्त उक्त विषयों में डिग्री पाठ्यक्रम के समतुल्य कोई अन्य योग्यता		
(घ) विश्वविद्यालय प्रवेश	$18\frac{1}{2}$—$23\frac{1}{2}$ (पूर्वफाइनल) 19—24 वर्ष (फाइनल)	उक्त पाठ्यक्रमों में फाइनल/ पूर्व फाइनल वर्ष के विद्यार्थी	कालेजों के प्रशिक्षण एवं स्थापन अधिकारी या मनुष्य शक्ति एवं भर्ती निदेशालय, थलसेना मुख्यालय, नई दिल्ली–1	स्थायी/ अल्पकालिक
शिक्षा				
सीधे प्रवेश योजना	21—25 वर्ष	भौतिकी में द्वितीय श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि (बी०एस०सी० गणित) या इलैक्ट्रिकल/मैकेनिकल इंजी० में डिग्री	—वही—	स्थायी

टिप्पणी :—

1. इंजीनियरी एवं इलैक्ट्रिकल शाखाओं के लिए विश्वविद्यालय प्रवेश/सीधे प्रवेश योजना के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवार सात वर्ष का अल्पकालिक कमीशन या स्थायी कमीशन चुन सकते हैं।

2. विश्वविद्यालय प्रवेश योजना के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को कालेजों में उनके अन्तिम वर्ष के दौरान स्थायी/अल्पकालिक कमीशन के लिए क्रमश: 2300/1500 रुपये प्रतिमाह की एक वृत्तिका दी जाती है।

3. नौसेना द्वारा प्रायोजित योजना के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को 400 रु० प्रतिमाह की दर से एक वृत्तिका दी जाती है तथा इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के पहले तीन वर्षों के दौरान शिक्षा शुल्क भी दिया जाता है और तत्पश्चात् उन्हें कार्यकारी सब–लेफ्टिनेंट का रैंक दिया जाता है तथा केवल 750 रु० प्रतिमाह दिए जाते हैं।

4. स्थायी/अल्पकालिक कमीशन एक ऐसी योजना है जो उन उम्मीदवारों के लिए है, जो इसमें सेवा करने के बाद सेवा छोड़ने का विकल्प बनाए रखना चाहते हैं। अल्पकालिक कमीशन की अवधि सात वर्ष है। दो से तीन वर्षों के बाद अफसरों को यह विकल्प दिया जाता है कि वह स्थायी कमीशन स्वीकार कर लें।

उन नगरों के नाम जहां नाविकों की भर्ती के लिए भर्ती कार्यालय स्थित है:–

आगरा	चरखीदादरी	कोल्हापुर	रायपुर
अमेठी	कटक	कोटा	रांची
अहमदाबाद	दिल्ली	कुनाराघाट	रंगापहाड़
अजमेर	दानापुर	लन्सडाउन	रोहतक
अल्मोडा	फिरोजपुर	लखनऊ	सिल्चर
अलवर	गंन्टूर	लुधियाना	शिलांग
अम्बाला	गया	मद्रास	सिलिगुड़ी
अमृतसर	ग्वालियर	मेरठ	श्रीनगर
औरंगाबाद	हम्मीरपुर	माऊ	शिमला
बंगलोर	हिसार	मुर्शिदाबाद	सम्बलपुर
बरेली	जबलपुर	मंगलोर	सिकन्दराबाद
बेलगांव	जामनगर	मंडी	त्रिवेंन्द्रम
भोपाल	जम्मु	नागपुर	त्रिचिन्नापल्ली
बम्बई	झुनझुनु	नारांगी	वाराणसी
बेरहामपुर (जी०एम०)	जालंधर	पटियाला	विशाखापट्टनम
कलकत्ता	जोधपुर	पिथोरागढ़	कालीकट
कोयम्बटूर	जोरहाट	पूणे	कटिहार
पालमपूर			

शारीरिक मानदण्ड

ऊंचाई	—	157 सेमी० (न्यूनतम)
वजन	—	यथानिर्धारित ऊंचाई तथा भार के बीच सहसंबंध (अधिकतम स्वीकार्य–6 किलोग्राम) के अनुसार
छाती	—	छाती अनुपात में ठीक होनी चाहिए तथा फुलाने पर 5 से०मी० तक बढ़नी चाहिए ।

छूट :—

गोरखा, नेपाली, असमिया, तथा गढ़वालियों जिनमें मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय तथा त्रिपुरा से भर्ती किए गए रंगरूट भी शामिल हैं, के मामले में ऊंचाई में 5 सेमी. की छूट दी जाती है तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में 2 सेमी. तक छूट दी जाती है ।

परिशिष्ट–ङ

वायु सेना में कमीशन प्राप्त रैंकों के लिए प्रवेश स्त्रोतों के ब्यौरे

शाखा	आयु एवं शारीरिक मानदण्ड	शैक्षिक योग्यताएं	प्रवेश का ढंग	प्रशिक्षण की अवधि
फ्लाईंग (पायलेट)				
(क) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन०डी०ए०)	16—18½ वर्ष, ऊंचाई 162.5 से०मी० से कम न हो। टांग की लंबाई 99 से०मी० से कम न हो। छाती फुलाव की न्यूनतम रेंज तक बढ़नी चाहिए। पूरा फुलाने पर 5 से०मी० तक बढ़नी चाहिए।	स्कूली शिक्षा का 10+2 पद्धति से 12 वीं पास	संघ लोक सेवा आयोग तथा वायुसेना चयन बोर्ड (ए०एफ०एस० बी०) साक्षात्कार	3 वर्ष एन० डी०ए० में तथा 75 सप्ताह वायुसेना में
(ख) संयुक्त रक्षा सेवा (सी०डी०एस०ई०) के माध्यम से सीधे प्रवेश	19–22 वर्ष। न्यूनतम ऊंचाई 162.5 से०मी०। छाती भली भांति फूलनी चाहिए। फुलाने के बाद फैलाव की न्यूनतम रेंज 5 सेमी० होनी चाहिए।	स्नातक की उपाधि रखता हो तथा हायर–सैकेण्डरी/10+2 या समतुल्य परीक्षा में भौतिकी तथा गणित पढ़े हों।	—वही—	अनुमानतः 100 सप्ताह

(ग) एन०सी०सी० (सी०) प्रमाणपत्र	19—22 वर्ष	स्नातक की उपाधि हो तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर (वायु विंग) के सीनियर डिवीजन में कम से कम 3 वर्ष तक कार्य किया होना चाहिए।	वायुसेना चयन बोर्ड साक्षात्कार	—वही—
तकनीकी				
(क) वैमानिकी इंजीनियरी (इलैक्ट्रानिक्स)	18—28 वर्ष	इलैक्ट्रानिक्स या सहबद्ध विषयों में बी०ई० डिग्री	वायुसेना चयन बोर्ड साक्षात्कार	74 सप्ताह
(ख) वैमानिकी इंजीनियरी (मैकेनिकल)	18—28 वर्ष	मैकेनिकल या सहबद्ध विषयों में बी०ई० डिग्री	वायुसेना चयन बोर्ड साक्षात्कार	72 सप्ताह
गैर-तकनीकी				
(क) प्रशासकीय/संभारतन्त्र (लाजिसटिक्स) शाखा	20—23 वर्ष	कला स्नातक/विज्ञान स्नातक/वाणिज्य स्नातक/कला स्नातक (आनर्स) वाणिज्य स्नातक (आनर्स) प्रथम श्रेणी	वायुसेना चयन बोर्ड साक्षात्कार	52 सप्ताह
		या		
	20—25 वर्ष	कला निष्पात/विज्ञान निष्पात/वाणिज्य निष्पात/व्यवसाय प्रबंध निष्पात/लॉ डिग्री, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में।	—वही—	52सप्ताह

शाखा	आयु एवं शारीरिक मानदण्ड	शैक्षिक योग्यताएं	प्रवेश का ढंग	प्रशिक्षण की अवधि
(ख) लेखा शाखा	20—23 वर्ष	वाणिज्य स्नातक/वाणिज्य स्नातक (आनर्स) प्रथम श्रेणी	वायुसेना चयन बोर्ड साक्षात्कार	52 सप्ताह
	20—25 वर्ष ऊपरी आयु सीमा में 27 वर्ष तक छूट	वाणिज्य निष्पात I/II श्रेणी वाणिज्य स्नातक/वाणिज्य निष्पात साथ में ए०आई०सी०डब्ल्यू०ए० पास/चार्टर्ड रजिस्टर्ड सम्मिलित एकाउन्टेंट		
(ग) शिक्षा शाखा	21—25 वर्ष	विशिष्ट विषयों में कला निष्पात/विज्ञान निष्पात या व्यवसाय प्रबंध निष्पात या इंजीनियरी स्नातक I/II श्रेणी	—वही—	52 सप्ताह
(घ) मौसम विज्ञान शाखा	20—25 वर्ष उच्च शिक्षा वालों के लिए 28 वर्ष तक आयु में छूट	विज्ञान निष्पात (भौतिकी) या कला निष्पात/विज्ञान निष्पात (गणित)	—वही—	52 सप्ताह

एयरमैन की भर्ती के लिए ट्रेडों की सूची

ग्रुप–I	ग्रुप–II	ग्रुप–III	ग्रुप–IV
फिटर (II) इंजिन	फ्लाइट मैकेनिक इंजिन	क्लर्क लेखाशास्त्र	ग्रॉउण्ड ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर
फिटर (II) एयरफ्रेम	फ्लाइट मैकेनिक एयरफ्रेम	क्लर्क वेतन लेखाशास्त्र	
रेडार मैकेनिक	रेडार प्रचालक	क्लर्क उपकरण लेखाशास्त्र	भारतीय वायुसेना पुलिस
बेतार प्रचालक	बेतार प्रचालक मैकेनिक (II)	क्लर्क सामान्य ड्यूटियां	
मैकेनिक (I)			
उपकरण मरम्मतकर्ता–I	उपकरण मरम्मतकर्ता (II)	————	
इलैक्ट्रिशियन–I	इलैक्ट्रिशियन (II)	उपकरण सहायक	
फिटर शस्त्रसाज	शस्त्रसाज	चिकित्सा सहायक	
फिटर मैकेनिकल	मैकेनिक, मैकेनिकल परिवहन	टेलीफोन और रेडियो	
परिवहन		टेलीफोन प्रचालक	
मैकेनिकल औजार	टर्नर	फ्लाइट प्लैटर	
सैटर तथा प्रचालक			

ग्रुप–I	ग्रुप–II	ग्रुप–III	ग्रुप–IV
फोटो मैकेनिक	फोटोग्राफर	----------------	
बढ़ई (कारपेन्टर) रिगर	बढ़ई (कारपेन्टर)–II*	----------------	
लोहार तथा वेल्डर	एयरफील्ड सुरक्षा प्रचालक*	----------------	
ताम्रपार एवं शीट	मौसम विज्ञान सहायक	----------------	
धातु कामगार	सुरक्षा उपकरण कामगार*	----------------	
फिटर–I	शिक्षा इंस्ट्रक्टर		
	क्रिप्टोग्राफर	----------------	

*इन ट्रेडों के लिए भी उम्मीदवारों का चयन किया जा सकता है चाहे उन्होंने विज्ञान न पढ़ा हो ।

रक्षा सेवा कार्मिकों को मिलने वाले भत्ते, सुविधाएं, रियायतें तथा लाभ

सशस्त्र सेना कार्मिकों को कई तरह के भत्ते, लाभ तथा सुविधाएं दी जाती हैं। जबकि इनमें से कुछ को सेवा की मांग के अनुसार आवश्यक समझा जाता है। अन्य ऐसी ड्यूटियों के लिए, जिनमें गंभीर खतरे या जोखिम रहता है, या विशिष्ट क्षेत्रों में भी जीवन की कठोरता के लिए या व्यावसायिक उन्नति के लिए प्रोत्साहन के रूप में, प्रतिपूर्ति करने के लिए दिए जाते हैं।

भारतीय थलसेना के कार्मिकों को मिलने वाले भत्ते व सुविधाएं निम्नलिखित हैं :

कैप्टन	—	200 रु.
मेजर	—	600 रु.
लैफ्टिनेंट कर्नल	—	800 रु.
कर्नल	—	1000 रु.
ब्रिगेडियर	—	1200 रु.

योग्यता वेतन :—विनिर्धारित योग्यता रखने वाले ले. कर्नल तथा उनसे निचले रैंक के अफसर अपनी योग्यता के आधार पर रु. 2000/-, 3000/-, 5625/- या 7500 रु. का एक मुश्त अनुलाभ प्राप्त करने के हकदार होंगे। फ्लाइंग इंस्ट्रक्टरों (श्रेणी ख) 70 रु. प्रतिमाह की दर से योग्यता वेतन पाने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

प्रतिपूर्ति (नगर) भत्ता :—महंगाई भत्ता उन्हीं शर्तों तथा उन्हीं दरों पर स्वीकार्य होगा, जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारियों पर लागू होता है।

किट अनुरक्षण भत्ता :—100 रु. प्रतिमाह की दर से स्वीकार्य होता है।

देश प्रवास भत्ता :—देश प्रवास भत्ता तब स्वीकार्य होता है जब व्यक्ति भारत से बाहर कार्य कर रहा होता है। विदेशी भत्ते की समनुरूपी एकल दर के 25% से 40% तक इस भत्ते की राशि भिन्न-भिन्न हो सकती है।

पृथक्करण भत्ता :—वे विवाहित अफसर 140 रु. प्रतिमाह की दर से पृथक्करण भत्ता पाने के हकदार हैं जिन्हें ऐसे स्टेशनों पर तैनात किया जाता है, जहां वे अपने परिवार के साथ नहीं रह सकते।

परिधान भत्ता :—शुरू में 3000 रु. का परिधान भत्ता प्रदान किया जाता है जो कारगर सेवा के हर 7 वर्ष बाद पुनः दिया जाता है।

राशन :—सभी अफसरों को निःशुल्क राशन दिया जाता है।

नौसेना में काम करने वाले कार्मिकों को मिलने वाले भत्ते

सामान्यतः नौसेना के अफसरों को मिलने वाले भत्ते तथा अन्य लाभ वही होते हैं, जो थलसेना के अफसरों को मिलते हैं। हालांकि इनमें से कुछ भत्ते अलग होते हैं।

रैंक वेतन :—नौसेना के अफसरों को वेतन के अतिरिक्त निम्नलिखित तरह से रैंक वेतन स्वीकार्य होता है :—

लैफ्टिनेंट	—	200 रु.
लैफ्टिनेंट कमोडोर	—	600 रु.
कमोडोर	—	800 रु.
कैप्टन	—	1000 रु.
कमोडोर	—	1200 रु.

योग्यता वेतन :—विनिर्धारित योग्यता रखने वाले कमोडोर तथा उनसे निचले रैंक के अफसरों को अपनी योग्यता के आधार पर योग्यता वेतन/अनुदान दिया जाता है। वे अपनी योग्यता के आधार पर रु. 2000/-, 3000/-, 5625/- तथा 7500/- रु. का एकमुश्त अनुदान पाने के हकदार हैं। श्रेणी 'क' एवं 'ख' के फ्लाइंग नेवीगेटर इंस्ट्रक्टर क्रमशः रु. 100/- तथा 70/- रु. प्रतिमाह की दर से योग्यता वेतन के लिए प्राधिकृत हैं।

प्रतिपूर्ति (नगर) भत्ता :—महंगाई भत्ता तथा अंतरिम सहायता उन्हीं शर्तों पर तथा उन्हीं दरों पर स्वीकार्य होती है, जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारियों पर लागू होती है।

सर्वेक्षण वेतन :—यह सर्वेक्षण शाला के अफसरों को दिया जाता है जिसकी सीमा 200 रु. से 300 रु. प्रतिमाह के बीच होती है।

किट अनुरक्षण भत्ता :—यह 100 रु. प्रतिमाह की दर से दिया जाता है।

देश प्रवास भत्ता :—जब व्यक्ति यहां पर गैर भारतीय के रूप में कार्य कर रहा हो या दूसरे देशों के देशान्तरीय तथा अक्षांशीय सीमाओं पर कार्य किया हो, रैंकों के अनुसार इस भत्ते की दर 50 रु. प्रतिमाह से 250 रु. प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

पृथक्करण भत्ता :—वे विवाहित अफसर, उस अवधि के दौरान 140 रु. प्रतिमाह की दर से पृथक्करण भत्ता पाने के हकदार हैं, जब वे अपने जहाज के निश्चित पत्तन से दूर चले जाने पर उस पर तैनात रहते हैं।

परिधान भत्ता :—अफसरों को शुरू में 3500 रु. का परिधान भत्ता दिया जाता है, जो कारगर सेवा के प्रत्येक 7 वर्ष के बाद पुनः दिया जाता है।

तकनीकी वेतन :—तकनीकी वेतन 75 रु. से 350 रु. प्रतिमाह के बीच होता है।

फ्लाइंग वेतन :—यदि किसी व्यक्ति का चयन उड़ान ड्यूटियों के लिए कर लिया जाता है तो वह 1200 रु. प्रतिमाह की दर से फ्लाइंग वेतन पाने का हकदार है।

अन्तःसागरी (सबमेरिन) वेतन :—अन्तःसागरी सेवा के लिए जिन अफसरों को चुना जाता है वे निम्नलिखित दरों से यह वेतन पाने के हकदार हैं :—

कैप्टन तक—1200 रु.

नाविक

1. मास्टर प्रमुख अधीनस्थ अफसर
2. मुख्य अधीनस्थ अफसर—900 रु.
3. अधीनस्थ अफसर—
4. प्रमुख नाविक—700 रु.
5. नाविक—

राशन :—

सभी अफसरों को निःशुल्क राशन दिया जाता है।

छुट्टी को भुनाना :---प्रतिवर्ष 30 दिनों की दर पर अनुपयुक्त वार्षिक छुट्टी को भुनाया जा सकता है, जो अधिवार्षिता पर अधिक से अधिक 180 दिनों के लिए होती है ।

गोता (ड्राईविंग) भत्ता/डुबकी डिप रकम :---ऐसे अफसरों और नाविकों को मासिक दर पर ड्राइविंग भत्ता दिया जाता है जो ड्राइविंग काडर में होते हैं । इसके अतिरिक्त डिप मनी उन्हें दिया जाता है जो वास्तव में ड्राईविंग ड्यूटी करते हैं ।

1. निकासी (क्लियरेंस) ड्राइविंग अफसर 200 रु. प्रतिमाह
2. जहाज ड्राईविंग अफसर 100 रु. प्रतिमाह

नाविक

1. निकासी गोताखोर प्रथम श्रेणी 150 रु. प्रतिमाह
2. निकासी गोताखोर द्विवतीय श्रेणी 130 रु. प्रतिमाह
3. निकासी गोताखोर तृतीय श्रेणी 110 रु. प्रतिमाह
4. निकासी गोताखोर चतुर्थ श्रेणी 100 रु. प्रतिमाह

वायु सेना :---वायु सेना के अफसर भी करीब-करीब उन सभी भत्तों को पाने के हकदार होते हैं, जो थल सेना के अफसरों को स्वीकार्य होता है । जैसा कि वायु सेना के अफसरों की ड्यूटी अलग किस्म की होती है, तद्नुसार उन्हें कई अलग-अलग भत्ते मिलते हैं ।

रैंक वेतन :---ये अफसर अपने वेतन के अतिरिक्त, निम्नलिखित दरों पर रैंक वेतन पाने के भी हकदार होते हैं :---

फ्लाइट लैफ्टिनेंट---200 रु.
स्क्वाड्रन लीडर---600 रु.
विंग कमोडोर---800 रु.
ग्रुप कैप्टन---1000 रु.
एयर कमोडोर---1200 रु.

योग्यता वेतन :---विनिर्धारित योग्यता रखने वाले उड़ान (फ्लाइंग) शाखा के अफसरों को योग्यता वेतन स्वीकार्य होता है । योग्यता वेतन 100 रु. या 70 रु. प्रतिमाह की दर से दिया जाता है । उनकी अपनी योग्यता के आधार पर उन्हें 7500 रु., 5625 रु., 3000 रु., या 2000 रु. का योग्यता अनुदान दिया जाता है ।

प्रतिपूर्ति (नगर) भत्ता :—महंगाई भत्ता तथा अन्तरिम सहायता उन्हीं शर्तों पर तथा उन्हीं दरों पर स्वीकार्य होती हैं जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारियों पर लागू होती हैं ।

किट अनुरक्षण भत्ता :—100 रु. प्रतिमाह की दर से दिया जाता है ।

देश प्रवास भत्ता :—किसी एक व्यक्ति को अनुमानतः विदेशी भत्ते का 25% से 40% (रैंक के अनुसार) के बीच देश प्रवास भत्ता स्वीकार्य होता है ।

पृथक्करण भत्ता :—एयर वाइस मार्शल रैंक के तथा उनसे ऊपर के है विवाहित अफसर 140 रु. प्रतिमाह की दर से पृथक्करण भत्ता प्राप्त करने के हकदार हैं जिन्हें ऐसी यूनिटों/फार्मेशनों में तैनात किया जाता है, जहां वे अपने परिवारों के साथ नहीं रह सकते ।

परिधान भत्ता :—शुरू में 3000 रु. का परिधान भत्ता दिया जाता है जो कारगर सेवा के हर 7 वर्षों के बाद पुनः दिया जाता है ।

फ्लाइंग वेतन :—ग्रुप कैप्टन के रैंक तक के अफसरों को 1200 रु. प्रतिमाह की दर से फ्लाइंग वेतन दिया जाता है । ग्रुप कैप्टन के रैंक से ऊपर के अफसरों के लिए यह 900 रु. प्रतिमाह होता है । एयरमैन तथा क्रू (कर्मीदल) को 900 रु. प्रतिमाह दिए जाते हैं ।

पायलट परीक्षण भत्ता :—फ्लाइंग वेतन की एक तिहाई के बराबर की एक अतिरिक्त राशि पायलट परीक्षण भत्ते के रूप में दी जाती है ।

राशन :—सभी अफसरों को निःशुल्क राशन दिया जाता है ।

स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए परिवहन व्यवस्था

सेना के सभी कार्मिकों के स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए परिवहन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है ।

अग्रिम :—ऊपर बताए गए भत्ते और सुविधाओं के अतिरिक्त अफसरों के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण अग्रिम भी दिए जाते हैं :—

(1) भवन निर्माण अग्रिम

(2) मोटर गाड़ी अग्रिम

(3) विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अफसरों की भविष्य निधि से ऋण/अग्रिम

(4) स्थानान्तरण पर वेतन अग्रिम ।

सेना मुख्यालय द्वारा रखी जाने वाली कई तरह की धनराशियां भी उन अफसरों को जो वित्तीय संकट में होते हैं तथा उनके आश्रितों को उपलब्ध होती हैं जिन्हें पैसे की आवश्यकता होती है । अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अफसरों को उनकी बदली हो जाने के बाद तथा अपने बच्चों के लिए नई पाठ्य पुस्तकें खरीदने के उद्देश्य से उन्हें पुनर्वास सहायता दी जाती है ।

मेडिकल कोर :—सशस्त्र सेना कार्मिकों को मिलने वाले भत्तों के अतिरिक्त सेना चिकित्सा कोर (ए.एम.सी.) तथा सेना दन्त कोर (ए.डी. सी.) और रिमाउण्ट और पशु चिकित्सा कोर (आर.वी.सी.) के अफसरों के लिए कई विशेष भत्ते प्राधिकृत किए गए हैं ।

विशेषज्ञाता वेतन :—चिकित्सा कोर तथा दन्त कोर के अफसर, जो योग्यता पूरी करते हों तथा उनके पास पर्याप्त अनुभव हो और जो मान्यता-प्राप्त किसी भी विषय में विशिष्ट स्थान रखते हों उन्हें विशेषज्ञ या श्रेणीकृत स्थिति की हैसियत दी जाती है और उन्हें निम्नलिखित दरों पर विशेषज्ञता वेतन की मंजूरी दी जाती है ।

(क) श्रेणीकृत विशेषज्ञों के लिए 100 रु. प्रतिमाह

(ख) वर्गीकृत विशेषज्ञों के लिए 150/- रु. प्रतिमाह

(ग) परामर्शदाता/प्रोफेसर/सलाहकार के लिए 200 रु. प्रतिमाह

स्नातकोत्तर डिप्लोमा रखने वाले अफसर निम्नलिखित कोरों के अनुसार विशेषज्ञ वेतन लेने के हकदार हैं :—

(क) श्रेणीकृत विशेषज्ञ—400 रु.

(ख) वर्गीकृत विशेषज्ञ—500 रु.

(ग) प्रोफेसर/परामर्शदाता/सलाहकार—600 रु.

प्रैक्टिसबंदी भत्ता :—प्रैक्टिसबंदी भत्ता निम्नलिखित दरों पर स्वीकार्य होता है :—

रैंक	ए०एम०सी०	ए०डी०सी०	आर०बी०सी०
1. लेफ्टिनेंट	--	250 रु०	250 रु०
2. कैप्टन	490 रु०	500 रु०	400 रु०
3. मेजर	509 रु०	500 रु०	500 रु०
4. ले० कर्नल व उससे ऊपर	750 रु०	750 रु०	650 रु०

MGIPE—722CIRTES/90—6-7-91—20,750.

©

PDGET. 321
20,750—1991 (DSK-II)

1991

Price : Inland : Rs. 10.00
Foreign : £ 0.38 or $ 0.59

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1991
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1991